RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | बुधवार , 29 जुलाई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 129 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोक परीक्षाओं में नकल पर शिकंजा, संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

डॉ. सिंह ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितताओं की घटनाएं किसी एक राज्य या सरकार तक सीमित नहीं रही

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्र सरकार ने लोक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल और अन्य अनुचित साधनों पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विधेयक पर विचार करने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि वर्ष 2024 में लागू कानून को और अधिक प्रभावी एवं कठोर बनाने के लिए यह संशोधन लाया गया है, ताकि देश के करोड़ों विद्यार्थियों और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितताओं की घटनाएं किसी एक राज्य या सरकार तक सीमित नहीं रही हैं। उन्होंने रेलवे भर्ती बोर्ड, अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा, एम्स, तमिलनाडु लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश बीएड प्रवेश परीक्षा तथा पश्चिम बंगाल संयुक्त प्रवेश परीक्षा सहित कई मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन घटनाओं से मिले अनुभवों के आधार पर वर्ष 2024 में व्यापक कानून बनाया गया था। अब समय की जरूरत को देखते हुए उसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संशोधन प्रस्तावित किया गया है।

प्रमुख राष्ट्रीय परीक्षाएं पहले से कानून के दायरे में
मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024 का कानून संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) जैसी प्रमुख संस्थाओं की परीक्षाओं पर लागू किया गया था। इसके तहत परीक्षा संबंधी अपराधों को संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौता योग्य बनाया गया था, ताकि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

केंद्र सरकार ने एक प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया: अखिलेश यादव

नई दिल्ली
लोकसभा में पेपर लीक रोकने से जुड़े संशोधन विधेयक पर हुई लंबी चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी प्रमुख सांसद अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को नीट-यूजी 2026 परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ हुए छात्र आंदोलन का नतीजा बताया। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार ने एक प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया। उन्होंने दावा किया कि करोड़ों युवाओं के दबाव के कारण सरकार को झुकना पड़ा और अब सरकार को आंदोलन के दौरान किए गए सभी आश्वासन भी सार्वजनिक करने चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि वह शुरू से इस आंदोलन को देख रहे थे। उनके मुताबिक, आंदोलन के बाद एक नारा सबसे ज्यादा सुनाई दिया कि सरकार को लगता था वह कभी नहीं झुकेगी, लेकिन युवाओं ने साबित कर दिया कि झुकाने वाला चाहिए, सरकार भी झुकती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों की पहली बड़ी मांग स्वीकार करते हुए धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लिया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने अन्य मांगों पर भी सहमति बनाई है।

क्या छात्र आंदोलन ने सरकार को झुकने पर मजबूर किया?

अखिलेश यादव ने कहा कि जब धर्मेंद्र प्रधान मंत्री पद छोड़ने के बाद संसद पहुंचे तो उनका स्वागत हुआ, लेकिन इस फैसले से सदन के कई सदस्यों ने राहत की सांस ली होगी। क्या छात्र आंदोलन ने सरकार को झुकने पर मजबूर किया?
अखिलेश यादव ने कहा कि यह पहला ऐसा छात्र आंदोलन था, जिसमें केवल छात्र ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता भी खुलकर साथ आए। उन्होंने कहा कि लगभग 20 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी और अगर उनके परिवारों को भी जोड़ लिया जाए तो करोड़ों लोग इस मुद्दे से प्रभावित हुए।

केवल समिति बनाने से नहीं आएगा शिक्षा क्षेत्र में बदलाव: प्रियंका

नई दिल्ली
कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा क्षेत्र में बदलाव के लिए केवल नई-नई कमेटियां बनाने से काम नहीं चलेगा। राधाकृष्ण कमेटी भी व्यवस्था में सुधार लाने के लिए बनी थी लेकिन आज तक उसकी एक सिफारिश लागू नहीं हुई है।
प्रियंका ने कहा कि सरकार को ठोस प्रयास करने चाहिए। संसद में विपक्ष को दोषी ठहराने और राजनीति से काम नहीं चलेगा। ह्यजेन जीह्र का भरोसा वापस जीतने के लिए सोच की दिशा बदलनी होगी। उन्होंने कहा, ह्लदेश के नौजवान न्याय मांग रहे हैं, भीख नहीं। वे यहां सरकार गिराने नहीं अपना भरोसा बचाने के लिए आए थे। प्रियंका ने कहा कि सरकार को शिक्षा विशेषज्ञों को एक साथ लाना चाहिए। छात्रों, अध्यापकों, सभी स्टेक होल्डर्स को साथ लेकर अन्य विचारधाराओं के विशेषज्ञों के साथ गहरी चर्चाएं करवाकर एक नई शिक्षा प्रणाली तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मौजूदा नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में 8 महीने तो एग्जाम चलते हैं। अध्यापकों को पढ़ाने का समय नहीं मिलता।

प्रियंका की टिप्पणी पर लोकसभा में हंगामा

लोकसभा में प्रियंका गांधी की शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी को लेकर की गई टिप्पणी पर हंगामा हुआ। जोशी के संबंध में की गई उनकी टिप्पणी को सत्ता पक्ष के सदस्यों ने पहले 'प्रमाणित' करने के लिए कहा जिसके जवाब में प्रियंका गांधी ने कहा कि इस बात के संबंध में वे अखबार की कटिंग उपलब्ध करायेंगी। लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े कानून पर चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी पर आरोपात्मक टिप्पणी की। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने उन्हें इसे लेकर टोका और कहा कि नियम 353 के तहत सदन में लगाए जाने वाले किसी भी आरोप के संबंध में सदस्य को अग्रिम सूचना मिलनी चाहिए। प्रहलाद जोशी ने कहा कि उन्हें इस संबंध में कोई नोटिस नहीं दिया गया है। वे चाहते हैं कि प्रियंका गांधी अपनी बात को साबित करें या फिर इसे कार्यवाही से हटाया जाए। प्रियंका की टिप्पणी प्रह्लाद जोशी के कथित बयान से संबंधित थी।

असम में बाढ़ की स्थिति पर प्रधानमंत्री मोदी से मिले सांसद, राहत कार्यों की समीक्षा

नई दिल्ली/एजेंसी
असम के सांसदों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नई दिल्ली में मुलाकात कर राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। बैठक में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के उपायों पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री ने राहत कार्यों का दिया भरोसा
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने असम के सांसदों के साथ राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की।
उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, असम सरकार के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री ने प्रभावित लोगों की सुरक्षा और कुशलक्षेम की भी कामना की।

लगातार बारिश से पूर्वोत्तर में हालात गंभीर
पिछले कई दिनों से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश के कारण पूर्वोत्तर भारत के कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। असम के अनेक जिलों में नदियों

डीएम ने की जिला उद्योग बन्धु समिति एवं जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति, जिला श्रम बन्धु समिति एवं जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने उद्यमियों/व्यापारियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि विगत माह में निवेश मित्र पोर्टल पर कुल 463 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें 395 प्रकरण निस्तारित हो चुके हैं एवं 25 प्रकरण विभिन्न विभागों के स्तर पर लंबित हैं, जिसमें से श्रम विभाग-02, कृषि विभाग-18, खाद्य एवं औषधि-01, प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड-03 एवं उ0प्र0 पावर कार्पोरेशन लि0 के-01 हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सी.एम. युवा योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों में लंबित ऋण आवेदनों की बैंकवार समीक्षा के दौरान ऋण आवेदन, बैंकों में लंबित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी बैंकर्स को लंबित ऋण आवेदनों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सी.एम. युवा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। उन्होंने एम.ओ.यू. दाखिल निवेशकों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारी को शीघ्र समस्या निस्तारित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने नगर पालिका परिषद भरवारी के सिंघिया में सार्वजनिक मार्ग पर अतिक्रमण हटाकर सड़क व नाली निर्माण कराए जाने के प्रकरण पर टीम गठित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्लेज पार्क के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद भरवारी व मंझनपुर के मध्य पड़ने वाली मार्ग, जो नियामतपुर से होते हुए सिराथू मंझनपुर मार्ग को जोड़ती है, के चैड़ीकरण के सम्बन्ध में अधिशासी अभियंता लो0नि0वि0 ने बताया कि कार्ययोजना में सम्मिलित कर लिया गया है।

जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक के दौरान बताया गया कि मंडी समिति, ओसा में धर्मकांटा लगाए जाने की कार्यवाही की जा रही है। बैठक में प्रभास गिरी प्रवेश द्वार पुनः बनाए जाने के प्रकरण पर बताया गया कि आगणन तैयार कर लिया गया है, शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

जिलाधिकारी ने परसरा बस स्टॉप से बसों का संचालन कराए जाने के प्रकरण पर कहा कि ए.आर.एम. को पत्र प्रेषित किया जाए। उन्होंने नगर पंचायत सिराथू रेल ऊपरगामी सेतु के 100 मी0 पहले स्पीड का साइन बोर्ड एवं स्पीड ब्रेकर बनाए जाने के प्रकरण पर अधिशासी अभियंता, लो0नि0वि0 को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारीगण एवं रमेश अग्रहरि, प्रवेश केसरवानी तथा विपिन केसरवानी सहित अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहें।

साधन सहकारी समिति,टेवा का डीएम ने किया आकस्मिक निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज साधन सहकारी समिति, टेवा का आकस्मिक निरीक्षण कर खाद की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था एवं किसानों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

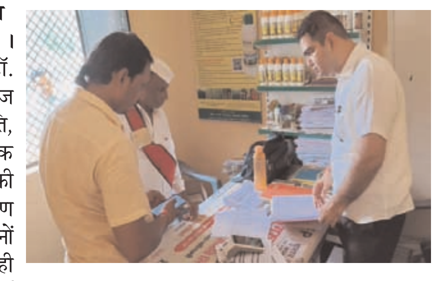

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव से समिति में उपलब्ध उर्वरकों के स्टॉक, आज किए गए खाद वितरण, अब तक लाभान्वित किसानों की संख्या तथा फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए किसानों की मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता हर समय सुनिश्चित रखी जाए, ताकि किसी भी किसान को खाद के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिलाधिकारी ने स्टॉक रजिस्टर एवं वितरण रजिस्टर का अवलोकन कर अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव के निर्देश दिए। उन्होंने समिति परिसर में उपस्थित किसानों से संवाद कर खाद वितरण व्यवस्था के संबंध में जानकारी की, जिस पर किसानों ने बताया कि उन्हें खाद प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो रही है। निरीक्षण के दौरान गोदाम में गेहूं का भंडारण पाए जाने पर जिलाधिकारी ने प्रभारी सचिव को निर्देशित किया कि गेहूं का शीघ्र उठान सुनिश्चित कराया जाए।

प्रभारी सचिव ने बताया कि साधन सहकारी समिति, टेवा में वर्तमान में 32.895 मीट्रिक टन यूरिया एवं 3.20 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है।

जिलाधिकारी ने ई.वी.एम. व वी.वी.पैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज ई.वी.एम. एवं वी.वी.पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सी.सी.टी.वी. कक्ष का निरीक्षण एवं लॉगबुक का अवलोकन किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

तेज रफ्तार बलेनो डिवाइडर से टकराकर पलटी कार सवार मौके से फरार 3 लोग मामूली घायल,

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, बिजनौर कोतवाली शहर क्षेत्र में एसआरएस मॉल के सामने सोमवार देर रात तेज रफ्तार बलेनो कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों को मामूली चोटें आईं। राहत की बात रही कि कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

जानकारी के मुताबिक, रात करीब 11 बजे तेज रफ्तार बलेनो कार अचानक अनियंत्रित हो गई। कार पहले डिवाइडर पर चढ़ी और फिर पलट गई। हादसे के बाद कार के पहिए ऊपर और छत नीचे हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर मौजूद लोगों ने कार में फंसे तीनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी को मामूली चोटें आई थीं। पलटी हुई कार को सीधा करने के लिए क्रेन बुलानी पड़ी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद कार में सवार सभी लोग मौके से चले गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि कार काफी तेज रफ्तार में थी। कुछ लोगों ने यह भी दावा किया कि कार सवार नशे की हालत में थे। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान 'मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरण' के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया।

मंगलवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

अयोध्या में चढ़ावा चोरी के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया सुन्दर काण्ड व हनुमान चालीसा का पाठ

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । नगर पंचायत चरवा में राम मंदिर पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में सामूहिक सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया! इस मौके पर गौरव पाण्डेय ने कहा कि यह सुन्दर काण्ड पाठ बीजेपी और संघ के संरक्षण में राम मन्दिर में चढ़ावे के लूट के खिलाफ था ! ईश्वर इन्हें सद्बुद्धि दे क्योंकि भाजपा पहले देश को खोखला करने में लगी थी जब उससे भी पेट नहीं भरा तो भगवान के साथ भी छल करना शुरू कर दिया ! ईश्वर के घर देर है अंधेर नहीं ।

पूरे देश ने देखा कि कैसे अयोध्या राम मन्दिर चढ़ावा में चोरी हुई कैसे भाजपा असली गुनहगारों को सरंक्षित करने का प्रयास किया। जो कि सरासर गलत है भगवान को भी भाजपा ने अपना धोखा देने का कार्य किया याद रहे जो भगवान राम का नहीं वो किसी का नहीं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से आचार्य भूपेंद्र शुक्ला,आचार्य रोहित पाण्डेय,रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष दीपक पाण्डेय,उदय यादव,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,जयप्रकाश जायसवाल,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव,ब्लाक अध्यक्ष सिराथू प्रियांशू त्रिपाठी,रमेश यादव,नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय, नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी,हेमन्त रावत,सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महेंद्र मिश्रा,व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश केसरवानी,अरुण सिंह,अभिषेक त्रिपाठी,राम जी सेन, आर्यन त्रिपाठी,अर्पित त्रिपाठी,उमेश कोरी ,राकेश पाल,अंकित विश्वकर्मा,सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम ने ग्राम जजौली में खेल मैदान, बाजार हाट, आर.आर.सी. एवं अमृत सरोवर का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज ग्राम जजौली में मनरेगा के अंतर्गत निर्मित खेल का मैदान, बाजार हाट, आर.आर.सी. (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) एवं अमृत सरोवर का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने खेल का मैदान बंद पाए जाने तथा वहां साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न पाए पर नाराजगी प्रकट करते हुए खण्ड विकास अधिकारी को खेल मैदान की साफ-सफाई कराकर उसे नियमित रूप से संचालित एवं जनसामान्य के उपयोग के लिए क्रियाशील कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बाजार हाट का निरीक्षण किया, जहां बाजार हाट का संचालन न होने पर नाराजगी प्रकट करते हुए इसे शीघ्र क्रियाशील कराने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने आर.आर.सी. (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) के निरीक्षण के दौरान केन्द्र का संचालन न पाए जाने पर खण्ड विकास अधिकारी को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर आर.आर.सी. सेंटर को तत्काल क्रियाशील कराने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अमृत सरोवर के निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए साफ-सफाई करवाने एवं समुचित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा जनहित में निर्मित सभी परिसंपत्तियों का उद्देश्य आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परिसंपत्तियों को पूर्ण रूप से क्रियाशील रखते हुए उनके नियमित रखरखाव एवं साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे ग्रामीणों को इनका अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।

एएसपी द्वारा परेड की सलामी लेकर किया निरीक्षण

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी श्रीमती अमिता सिंह द्वारा पुलिस लाइन कौशाम्बी में आयोजित साप्ताहिक मंगलवार परेड की सलामी ली गई। इस दौरान उन्होंने टोलीवार परेड का निरीक्षण कर उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों के टर्नआउट का गहन अवलोकन किया।

परेड के दौरान पुलिसकर्मियों को दौड़, पीटी अभ्यास एवं टोलीवार ड्रिल कराई गई, जिससे उनकी शारीरिक क्षमता एवं अनुशासन को और सुदृढ़ किया जा सके। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में उपस्थित समस्त पुलिस बल को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं सजगता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

परेड उपरांत अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक ने 11 उपनिरीक्षकों के ट्रांसफर किए, ऑनलाइन रुपए लेने के आरोप में झालू चौकी इंचार्ज लाइन हाजिरः

संजीव विश्वकर्मा

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, बिजनौर जिले में कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। इस क्रम में 11 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। वहीं, झालू चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

एसपी के आदेश के अनुसार, उपनिरीक्षक साजिद अली को पुलिस लाइन से न्यायालय परिसर चौकी (कोतवाली शहर) का प्रभारी बनाया गया है। गौरव कुमार को कोतवाली शहर से पैजानिया चौकी (हल्दौर), देवी प्रसाद गौतम को पुलिस लाइन से अमहेड़ा चौकी (हल्दौर), महेंद्र सिंह नागर को पुलिस लाइन से कस्बा चौकी (नगीना), विजेंद्र कुमार को पुलिस लाइन से द्वारिकेश नगर चौकी (नगीना देहात) का प्रभारी, जगदीश प्रसाद को पुलिस लाइन से प्रयास चौकी (धामपुर), सुशील कुमार को पुलिस लाइन से गोरा बादल चौकी (धामपुर), रवि तोमर को गोरा बादल चौकी से कस्बा चौकी (धामपुर) का प्रभारी, विपिन सैनी को पुलिस लाइन से थाना नगीना देहात भेजा गया है।

झालू चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार को हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। उनकी जगह हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र से रजत चौधरी को झालू चौकी (हल्दौर) का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

ऑनलाइन 10 हजार रुपए लेने के आरोप के बाद कार्रवाई

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कुलदीप कुमार पर हाल ही में 10,000 रुपए ऑनलाइन लेने का आरोप लगा था। इस संबंध में पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी। शिकायत के बाद की गई कार्रवाई के तहत उन्हें लाइन हाजिर कर दिया गया। हालांकि, आरोपों की जांच और आगे की विभागीय कार्रवाई पुलिस स्तर पर जारी है।

शिक्षक संघ ने की नवागंतुक खंड शिक्षा अधिकारी से भेंट

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। नवागंतुक खंड शिक्षा अधिकारी, हल्दौर सूर्यकांत गिरी से उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष विकास कुमार ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं एवं शैक्षिक व्यवस्थाओं से जुड़े मुद्दों पर खंड शिक्षा अधिकारी से विस्तारपूर्वक चर्चा की। खंड शिक्षा अधिकारी सूर्यकांत गिरी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता एवं धैर्यपूर्वक सुना तथा शिक्षकों की सभी समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया।

ब्लॉक अध्यक्ष विकास कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। संघ की ब्लॉक इकाई उनके नेतृत्व में शिक्षकों की प्रत्येक समस्या के समाधान के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षक को यदि किसी प्रकार की समस्या हो तो वह किसी भी समय उनसे संपर्क कर सकता है। शिक्षक हितों की रक्षा के लिए संघ हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ खड़ा रहेगा।

प्रतिनिधिमंडल में ब्लॉक मंत्री मौहम्मद अहमद, अशोक कुमार, संदीप कुमार, सुशील कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

फर्जी जमानत कराने वाले हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। कप्तान अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में

जनपद में अपराध, अपराधियों एवं अभियोगों में फर्जी और पेशेवर जमानतदारों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी थरियांव के कुशल नेतृत्व में मंगलवार को थाना थरियांव पुलिस द्वारा क्षेत्र में गश्त व संदिग्धों/अभियुक्तों के सत्यापन हेतु चलाए जा रहे अभियान के दौरान मुखबिर खास एवं आम जनमानस से सूचना प्राप्त हुई कि थाना थरियांव का मजारिया/हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त सतीश चन्द्र उर्फ सतीश लोधी पुत्र जगतपाल निवासी ग्राम हसवा, थाना थरियांव, फतेहपुर कचहरी में मुंशीगिरी का कार्य करता है तथा अवैध आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से अपराधियों से मिलीभगत कर एक ही अचल संपत्ति व आधार कार्ड का बार-बार प्रयोग करके फर्जी व कूटरचित दस्तावेज तैयार करता है। अभियुक्त द्वारा इन्हीं कूटरचित प्रपत्रों को मा० न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर कई गंभीर अपराधों के अभियुक्तों की फर्जी जमानत कराई जाती है, जिससे कई अभियुक्त जमानत मिलने के बाद फरार हो जाते हैं और न्यायिक प्रक्रिया बाधित होती है। मुखबिर की सटीक सूचना पर ग्राम हसवा में दबिश देकर अभियुक्त सतीश चन्द्र उर्फ सतीश लोधी को हिरासत में लिया गया एवं जमानत अभिलेखों के सत्यापन के दौरान जनपद के विभिन्न थानों से संबंधित लगभग 08 मुकदमों में एक ही खतौनी व कूटरचित अभिलेखों का प्रयोग कर फर्जी जमानत कराया जाना सही पाया गया, अभियुक्त की जामा तलाशी लेने पर उसके पास से विभिन्न अभियोगों से संबंधित फर्जी जमानत प्रपत्रों की छायाप्रतियां तथा एक ही खतौनी व आधार कार्ड की प्रतियों के विभिन्न मुकदमों में उपयोग किए जाने संबंधी कूटरचित अभिलेख बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

हत्या की घटना में 2 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । थाना मंझनपुर पर वादिनी पारवती पत्नी धर्मेन्द्र कुमार सोनकर निवासी ग्राम चक मजरा थाम्बा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि आज सुबह मेरे जेठ लाल चन्द्र पुत्र पथरू सोनकर गाड़ी बनवाने के लिए नारा मोड (तीजापर) गये थे तभी बिरेन्द्र, मनोज पुत्रगण गुलाब सोनकर पुराने विवाद को लेकर मेरे जेठ को गाली गलौज करते हुए लाठी-डंडा से मार पीट करने लगे, आस पास के लोग आये तो विपक्षीगण जान से मारने की धमकी देकर चले गये । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मंझनपुर में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था । दिनांक 27.07.2026 को लालचन्द्र की जिला अस्पताल मंझनपुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी । घटना की गम्भीरता के दृष्टिगत श्री सत्यनारायण पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये थे ।मंगलवार को थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सटीक सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 2 वांछित अभियुक्तों छोटू उर्फ बीरेन्द्र कुमार . बितानू उर्फ मनोज पुत्रगण गुलाब सोनकर निवासी ग्राम नारा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी को कमासिन मन्दिर, उदहिन मार्ग से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त आला कत्ल एक बास का डण्डा बरामद किया गया ।

कप्तान ने श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। एसपी सत्यनारायण द्वारा आगामी श्रावण मास/कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जनपद में कानून-व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न महत्त्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया।

एसपी द्वारा थाना कड़ाधाम क्षेत्र अंतर्गत गंगा नदी के घाटों एवं प्रमुख मंदिरों का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान संबंधित पुलिस अधिकारियों को प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने एवं मुस्तैदी के साथ ड्यूटी सम्पादित करने के निर्देश दिए गए। तदुपरांत थाना सैनी क्षेत्र अंतर्गत प्रमुख मंदिरों का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा श्रद्धालुओं के निर्बाध, सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के साथ कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एसपी द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी गण को पूर्ण संवेदनशीलता, सतर्कता एवं समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

डीएम ने दिए निर्देश व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर करें निस्तारण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गयी, जिसमें प्रयागराज जनपद के व्यापार मंडलो के प्रतिनिधि एवं व्यापारीगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों के साथ उनकी समस्याओं एवं समाधानों पर विस्तार से चर्चा की गयी तथा व्यापारियों की समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने बैठक में व्यापारियों के द्वारा हैवी टैजफिक से जाम, साफ-सफाई, पार्किंग व्यवस्था, दुकानों के सामने अवैध अतिक्रमण को हटाये जाने सहित अन्य विषयों पर दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों को सम्मिलित करते हुए उसके निस्तारण के सम्बंध में सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को व्यापारियों को समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए।

बैठक में द्विवेदी हॉस्पिटल-म्योर रोड टैजफिक चौराहा की संचालिका के द्वारा बताया गया कि अस्पताल से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट को हटाने के लिए निर्धारित शुल्क जमा करने के बावजूद भी नगर निगम की गाड़िया कई दिनों के अंतराल पर आती है, जिससे कि मेडिकल वेस्ट को हटाने में समस्या उत्पन्न होती है, जिलाधिकारी ने नगर निगम को सभी अस्पतालों से मेडिकल वेस्ट हटाने के लिए नियमित रूप से गाड़ियों को भेजे जाने एवं मेडिकल वेस्ट को प्रतिदिन हटवाये जाने के निर्देश दिए है। व्यापारियों के द्वारा मुण्डेरा चुंगी स्थित ठण्डी बियर और अंग्रेजी शराब की दुकान को कहीं अन्यत्र स्थान पर शिफ्ट करने का अनुरोध किया गया। व्यापारियों के द्वारा बताया गया कि दुकान के पीछे शराबी बैठकर शराब पीते है तथा कई बार सड़क पर ही बैठकर पीना शुरू कर देते है, जिससे वहां पर गुटो में मारपीट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जिलाधिकारी ने इस सम्बंध में आबकारी विभाग एवं नगर निगम को समन्वय बनाते हुए उक्त दुकान को कहीं अन्यत्र शिफ्ट किए जाने का निर्देश दिया है। बैठक में व्यापारियों के द्वारा तहसील सोरांव में व्यापारियों से सम्बंधित शिकायतों के उठाये जाने पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सोरांव एवं एसीपी सोरांव को व्यापारियों के साथ बैठक करते हुए उनकी समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने के लिए कहा है। तहसील सोरांव में पेयजल योजना के तहत कराये गये कार्यों की अपूर्णता की शिकायत पर जिलाधिकारी ने जल निगम को शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करते हुए कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने नेशनल हाईवे पर अनाधिकृत रूप से किए गए कट को तत्काल बंद कराये जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ यह भी निर्देशित किया कि किसी के द्वारा यदि पुनः कट किया जाता है, तो उसके विरूद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही साथ उन्होंने सभी नेशनल हाईवे पर लाइटो को ठीक कराकर क्रियाशील रखने के निर्देश दिए है। कहा कि कावंड यात्रा के दृष्टिगत हाईवे पर लाइटे खराब न रहे और यदि कोई लाइट खराब हो, तो उसको तत्काल ठीक कराया जाना सुनिश्चित करें। व्यापारियों के द्वारा इलाहाबाद-प्रतापगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर लेहरा मोड़ के पास एक नाले का गड्ढ़ा खुला होने के बारे में शिकायत किए जाने पर जिलाधिकारी ने कहा कि यदि अभी तक उसको ठीक नहीं कराया गया है, तो सम्बंधित विभाग तत्काल उसको ठीक कराना सुनिश्चित करें।

बैठक में व्यापारियों के द्वारा चौक के कई मोहल्लो में जर्जर विद्युत तार होने तथा लटकने की शिकायत किए जाने पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को तत्काल जर्जर तारों को ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है। बैठक में व्यापारियों के द्वारा सिविल लाइन एवं पत्रिका चौराहें पर जाम की शिकायत किए जाने पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

इस अवसर पर जिला व्यापार बंधु समिति के सदस्य/पदाधिकारीगणों के अलावा जीएसटी विभाग के अधिकारीगणों के अलावा अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कर्बला में दी गई कुबार्नी ने इंसानियत को नई ज़िंदगी दी-मौलाना सलमान अब्बास

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। हल्दौर क्षेत्र के गांव छजुपुरा सादात में अशरा-ए-चेहलुम हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) के उनवान से आयोजित दस दिवसीय मजलिसों के दूसरे दिन पहली मजलिस दरगाह-ए-फातेमा तथा दूसरी मजलिस इमामबारगाह में आयोजित हुई। मजलिसों को क्रमशः मौलाना सैय्यद हैदर रजा नजफी एवं मौलाना सलमान अब्बास बाराबंकी ने खिताब किया।

मीडिया प्रभारी शाही वास्ती के संचालन में आयोजित मजलिसों में मरसिया-ख़्वानी मोहम्मद रजा, मोहम्मद अब्बास, नायाब हैदर, मोहम्मद आलम एवं सालिम जैदी ने की। पेशख़्वानी मौलाना मैहदी अब्बास जैदी एवं रईस जैदी ने, जबकि नौहाख़्वानी सालिम जैदी एवं अम्मार जैदी ने की।

मौलाना सलमान अब्बास ने अपने बयान में कहा कि यदि किसी को अपना बनाना है तो हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की तरह सब्र, सच्चाई और बेहतरीन किरदार अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन (अ.स.) ने हक और बातिल की जंग में हक का साथ देते हुए अपनी तथा अपने अहलेबैत और अंसार की बेमिसाल कुबार्नी देकर दीन-ए-इस्लाम को बचाया।

उन्होंने कहा कि कर्बला इज्जत और इंसानियत का रास्ता है। इमाम हुसैन (अ.स.) के दर पर सभी बराबर हैं। यहां हर धर्म और वर्ग के लोग अकीदत के फूल पेश करते हैं, क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि 1400 वर्ष पूर्व कर्बला में दी गई उनकी कुबार्नी ने इंसानियत को नई ज़िंदगी दी और दीन-ए-नबी को हमेशा के लिए ज़िंदा कर दिया।

मजलिस के अंत में मौलाना ने हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की लाडली बेटी जनाबे सकीना (स.अ.) के दर्दनाक मसायब बयान किए, जिन्हें सुनकर अजादार अश्कबार हो गए। उपस्थित अजादारों ने हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की बारगाह में जनाबे सकीना (स.अ.) का पुरसा पेश कर गम-ए-अहलेबैत में शिरकत की।

डीएम की अध्यक्षता में जिला पोषण/कन्वर्जेंस समिति की बैठक सम्पन्न

सैम बच्चों का डेटा मैप्ड कराते हुये उनका प्रबंधन सुनिश्चित करायें

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में जिला पोषण/कन्वर्जेंस समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने बाल विकास विभाग के सभी विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने संभव अभियान जुलाई- सितंबर 2026 कराए जाने की तैयारी से जुड़े सभी विभागों-पंचायत विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार कार्यवाही कराये जाने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि संभव अभियान के अंतर्गत ई-कवच पोर्टल पर सैम बच्चों का डेटा ए0एन0एम0 एवं अधीक्षक के स्तर से मैप्ड कराते हुये उनका प्रबंधन सुनिश्चित करायें तथा सभी प्रकार की दवायें भी वी0एच0एस0एन0डी0 सत्रों पर सुलभ रखें। जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि एफ0आर0एस0 की प्रगति पोषण ट्रैकर पर शत प्रतिशत करा लें एवं नवीन रेसिपी का वितरण केन्द्रों को नैफेड/एनआरएलएम द्वारा समय से करायें तथा टी0एच0आर0 वितरण में खराब एफ0आर0एस0 प्रतिशत के बाल विकास परियोजना अधिकारी धनुपुर, हंडिया, कौंधियारा एवं चाका को चेतावनी देने के निर्देश दिये गये। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि विगत माह 15 जून 2026 से 15 जुलाई 2026 के बीच चलाये गये विशेष अभियान में जनपद द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के अंतर्गत निर्धारित कुल लक्ष्य 4237 के सापेक्ष 8387 का लक्ष्य प्राप्त किया जो 155 प्रतिशत के साथ पूरे प्रदेश में जनपद प्रयागराज प्रथम स्थान पर रहा एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में अप्रैल से जुलाई के लिये कुल लक्ष्य 9443 के सापेक्ष 11522 की प्रगति करते हुये 122 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है जिसपर जिलाधिकारी महोदय द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि पूर्व की स्वीकृति 200 शौचालयों एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत 72 शौचालयों के निर्माण का कार्य माह अगस्त 2026 तक पूर्ण करायें तथा उपायुक्त श्रम एवं रोजगार को निर्देशित किया गया कि अस्वीकृत 76 आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्वीकृति कराते हुये अविलम्ब निर्माण कार्य प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सहायक अभियंता लघु सिंचाई, जिला सूचना अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों सहित कन्वर्जेन्स विभागों के अन्य सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रयागराज-वाराणसी हाईवे वनवे, शास्त्री पुल पर भारी वाहनों की नो एंट्री

30 जुलाई से 28 अगस्त तक लागू रहेगा ट्रैफिक प्लान, बायीं लेन बंद; ड्रोन और सीसीटीवी से होगी निगरानी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सावन माह में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए प्रयागराज पुलिस ने यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। 30 जुलाई से 28 अगस्त तक प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर वनवे व्यवस्था लागू रहेगी। हाईवे की बायीं लेन पर वाहनों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। वहीं शास्त्री पुल पर रोडवेज बसों और भारी वाहनों के आवागमन पर नो एंट्री लागू की गई है।

डीसीपी यातायात नीरज पांडेय ने बताया कि जीटी जवाहर-अलोपीबाग चुंगी से वाराणसी मार्ग पर भीटी (प्रयागराज सीमा) तक बायीं लेन बंद रहेगी।

वाहन दायीं लेन से ही संचालित होंगे। कांवड़ यात्रा के पहले सोमवार तीन अगस्त को देखते हुए विशेष यातायात व्यवस्था एक अगस्त की रात 10 बजे से चार अगस्त की रात 10 बजे तक लागू रहेगी।

उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए वाराणसी, मिजार्पुर और जौनपुर समेत सीमावर्ती जिलों के पुलिस प्रशासन से समन्वय किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। यात्रा मार्गों पर सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी।

इन रास्तों से जाएंगे भारी वाहन

कानपुर से वाराणसी जाने वाले वाहन

रामादेवी, जाजमऊ, शहीद चंद्रशेखर आजाद मार्ग, बदरका, अचलगंज, बीघापुर, रायबरेली, प्रतापगढ़ और जौनपुर होकर वाराणसी जाएंगे।

कौशांबी से आने वाले वाहन

प्रयागराज बाईपास से सोरांव कट, भुपियामऊ, मुंगराबादशाहपुर और मछलीशहर के रास्ते वाराणसी जाएंगे।

लखनऊ से आने वाले वाहन

रायबरेली, सलोन, प्रतापगढ़ और जौनपुर मार्ग का प्रयोग करेंगे।

रीवा से वाराणसी जाने वाले वाहन

मनगवां, हनुमना और मिजार्पुर होते हुए वाराणसी पहुंचेंगे।

रीवा से लखनऊ-कानपुर जाने वाले वाहन

चित्रकूट, बांदा, चौड़गरा और फतेहपुर मार्ग से जाएंगे।

रोडवेज बसों के लिए भी बदला रूट

वाराणसी की ओर से आने वाली रोडवेज बसें हंडिया, सहसों और फाफामऊ होते हुए प्रयागराज में प्रवेश करेंगी। वहीं जौनपुर की ओर से आने वाली बसें फूलपुर, सहसों और फाफामऊ मार्ग से शहर में आएंगी। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वह निर्धारित मार्गों का ही इस्तेमाल करें और यातायात नियमों का पालन करें, जिससे कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

वरिष्ठ समाजसेवी व सपा नेता आसिफ सिद्दीकी का निधन, शोक की लहर

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। वरिष्ठ समाजसेवी व समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रतापगढ़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके आसिफ सिद्दीकी का मुंबई के सैफी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उन्हें हार्ट अटैक आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके निधन की खबर सामने आते ही महाराष्ट्र से लेकर उत्तर प्रदेश तक शोक की लहर दौड़ गई।

आसिफ सिद्दीकी अपने राजनीतिक जीवन के साथ-साथ एक सफल व्यवसायी और बेहद मिलनसार एवं नेकदिल व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे। वे लंबे समय से मुंबई में रहकर कारोबार कर रहे थे, लेकिन अपने गृह जनपद प्रयागराज और आसपास के लोगों से उनका गहरा जुड़ाव बना हुआ था। सामाजिक कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी और सभी वर्गों के लोगों के साथ आत्मीय व्यवहार के कारण उनकी अलग पहचान थी।

उनके निधन की सूचना जैसे ही प्रयागराज पहुंची, उनके निजी आवास पर रिश्तेदारों, शुभचिंतकों, समर्थकों और क्षेत्र के लोगों का जमावड़ा लग गया। हर किसी की जुबान पर उनके सरल स्वभाव, मददगार व्यक्तित्व और समाज के प्रति समर्पण की चर्चा रही। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

आसिफ सिद्दीकी ने प्रतापगढ़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक पहचान बनाई थी। राजनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ वे सामाजिक सरोकारों से भी लगातार जुड़े रहे। लोगों का कहना है कि वे हमेशा हर व्यक्ति की मदद के लिए आगे रहते थे और अपने व्यवहार से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बना चुके थे। उनके निधन पर राजनीतिक, सामाजिक और व्यापारिक जगत से जुड़े अनेक लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

नैनो उर्वरकों का प्रयोग, पर्यावरण एवं भारतीय कृषि के लिए लाभदायक : डॉ. विवेक दीक्षित

इफको कॉर्डेड फूलपुर के प्रधानाचार्य ने नैनों उर्वरक का बताया लाभ

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। इफको के नैनो उर्वरक वर्तमान कृषि में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है इनके प्रयोग से सस्ती एवं टिकाऊ खेती करने में सफलता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह पर्यावरण के भी अनुकूल है। उक्त बातें , डॉ.विवेक दीक्षित, प्रधानाचार्य, मोतीलाल नेहरू फार्मरस ट्रेंनिंग इंस्टीट्यूट कॉर्डेट इफको फूलपुर ने बतौर मुख्य अतिथि प्रयागराज के कृषकों को संबोधित करते हुए। मंगलवार को आयोजित एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कहीं । उन्होंने उपस्थित कृषक प्रतिभागियों को कार्डेट एवं इफको के क्रियाकलाप से परिचित कराया तथा धान की फसल में नैनो यूरिया प्लस, नैनो कॉपर, नैनो जिंक, एवं नैनो डीएपी के प्रयोग की विस्तार से जानकारी दी। नैनो डीएपी से बीज/जड़/कंद/सेट शोधित कर बुवाई/रोपाई करने की सलाह दी। दानेदार डीएपी की मात्रा आधी प्रयोग करें नैनो डीएपी 500 मिलीलीटर की बोतल मात्र ?600 की है जो कि दानेदार डीएपी से काफी सस्ता है। नैनो यूरिया फसल की पत्तियों पर @4`' प्रति लीटर पानी से घोल बनाकर स्प्रे करें।

इसी क्रम में संस्थान की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती सविता शुक्ला ने फल संरक्षण एवं खाद्य प्रसंस्करण एवं स्वयं सहायता समूह से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि विभिन्न प्रकार के अचार मुरब्बा और जूस बनाकर के हम अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं ।

समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने खेती में जैव उर्वरकों एवं जैव अप घटकों के प्रयोग की जानकारी दी। प्रभारी प्रशिक्षण मुकेश तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं स्वस्थ व टिकाऊ खेती के लिए मृदा परीक्षण के महत्व को बताया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को कारडेट की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु बेल की पौध का निःशुल्क वितरण किया गया।

दबंगों ने घर में घुस कर की मार-पीट गृहस्थी के सामान को भी तोड़ा

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। थाना बहरिया क्षेत्र के अहिंराई गांव में दबंगों द्वारा घर में घुस कर मार-पीट करने व गृहस्थी का सामान तोड़-फोड़ करने पर बहरिया पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज। जानकारी के अनुसार राजकुमार भारतीया पुत्र रामलाल निवासी अहिरांई ने गांव के ही कुछ दबंगो को गाड़ी तेज चलाने से मना किया तो आकाश भारतीया पुत्र कल्लू, सविति देवी देवी पत्नी गोपी व उषा देवी एक राय होकर घर में घुस आये और गालियां देने लगे जिसका विरोध करने पर राजकुमार की बेटी अंजली को घर में पटक दिया और लात घूसों से जमकर पीटा। जिससे अंजली के पैर में फैक्चर हो गया। उसके बाद उक्त सभी लोगों ने घर में रखें गुहस्थी के सामान को भी तोड़-फोड़ डाला। उक्त घटना की लिखित तहरीर बहरिया थाने में दी। तहरीर के आधार पर बहरिया थानाध्यक्ष मानवेन्द्र कुमार सिंह ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया। और अंजली को इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मैलहा भेजा गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पतिके साथ स्कूटर से जा रही महिला से चेन छिनैती लूकरगंज चौराहे के पास बाइक सवार बदमाश ने दिया अंजाम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । खुल्दाबाद थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश पति के साथ स्कूटर से जा रही महिला के गले से चेन छीन लिया। वारदात के बाद आरोपी स्टेशन की ओर फरार हो गया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी वैष्ठमरों की मदद से बदमाश की तलाश कर रही है।

लूकरगंज निवासी ओमप्रकाश आहूजा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि २५ जून की शाम करीब ६:३० से ६:४० बजे के बीच वह अपनी पत्नी के साथ स्कूटर से दवा लेने रामबाग जा रहे थे। जोगीवीर बाबा लूकरगंज चौराहा पार कर डीएसए ग्राउंड के गेट के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से आए बाइक सवार अज्ञात युवक ने चलती स्कूटर पर उनकी पत्नी के गले से सोने की चेन झपट ली और स्टेशन की ओर भाग निकला।

पीड़ित ने घटना की शिकायत खुल्दाबाद थाने में की। पुलिस ने अज्ञात झपटमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। खुल्दाबाद थाना प्रभारी केशव वर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपितकी पहचान की जा रही है।

ई-रिक्शा में टक्कर मारने के बाद चालक से मारपीट

कोतवाली थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा चालक से मारपीट कर उसका कान काटने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

सरायइनायत के जुनैदपुर निवासी शिव कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया विवह ई-रिक्शा से जा रहा था। आरोप है कि तभी लापरवाही पूर्वक बुलेट चलाते हुए गौरव नाम के युवक ने पीड़ित के ई-रिक्शा में टक्कर मार दिया। विरोध करने पर आरोपित ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपित ने उनका कान काट लिया। साथ ही गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी।

घायल शिव कुमार को पहले काल्विन अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय रेफर कर दिया।

दुकान का ताला तोड़कर कब्जे का आरोप, मुकदमा

सिविल लाइंस क्षेत्र में एक कारोबारी ने मकान मालिक पर दुकान का ताला तोड़कर जबरन कब्जा करने और अंदर रखे लाखों रुपये के सामान को अपने कब्जे में लेने का आरोप लगाया है।

सिविल लाइंस निवासी सुमित सिंह के ने पुलिस को बताया कि उनका एक माल है वह बाइक एक्सेसरीज की दुकान कपूर एंड संस बिल्डिंग में वर्ष २००८ से संचालित है। पिछले चार माह से दुकान का नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण कराया जा रहा था। इसकी जानकारी ग्राहकों को देने के लिए दुकान के बाहर बैनर भी लगाया गया था। दुकान में लैपटॉप, कंप्यूटर, एसी, फर्नीचर समेत अन्य महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान रखे हुए थे। आरोप है कि सोमवार रात करीब नौ बजे जब वह दुकान पहुंचे तो देखा कि दुकान का ताला बदला हुआ था। इस पर उन्होंने मकान मालिक अक्षत कपूर को फोन किया। आरोप है कि अक्षत कपूर ने खुद ताला तोड़कर नया ताला लगाने की बात स्वीकार की। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए धमकी दी पीड़ित का आरोप है कि मकान मालिक ने दुकान में रखे कीमती सामान पर भी जबरन कब्जा कर लिया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

साइबर फ्रॉड के शिकार भुक्तभोगी को 10,360 रुपए वापस कराए

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। जहानाबाद थाना साइबर टीम द्वारा साइबर फ्रॉड के शिकार पीड़ित के खाते में 10, 360 रुपये पुलिस ने भुक्तभोगी को वापस कराए। पुलिस ने बताया कि थाना जहानाबाद साइबर टीम द्वारा साइबर शिकायत संख्या 23101260013936 पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए मंगलवार को साइबर ठगी के शिकार पीड़ित पंकज कुमार निवासी कलाना थाना जहानाबाद जनपद फतेहपुर के खाते में साइबर फ्रॉड के 10, 360 रुपए वापस कराए गए।

अपहृत बालिका को बरामद कर अभियुक्त को भेजा जेल

फतेहपुर। असोथर थाने की पुलिस द्वारा नाबालिग अपहता की सकुशल बरामदगी करते हुए अभियोग में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, 27 जुलाई को थाना असोथर पुलिस द्वारा धारा 137(2)/87 बीएनएस मुकदमा से संबंधित नाबालिग अपहृता को सकुशल बरामद किया गया। इस अभियोग से संबंधित वांछित अभियुक्त पवन कुमार निवासी चिन्तापुर थाना खागा जनपद फतेहपुर (22) को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत

श्रृंगवेरपुर धाम ब्लॉक की वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न

विजेता प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में श्रृंगवेरपुर धाम ब्लॉक की वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह एवं खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद ने किया उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास करते हैं। अतिथियों में शीतला प्रसाद मिश्र प्राचार्य आई के एम डिग्री कॉलेज, अनूप कुमार श्रीवास्तव प्रधानाचार्य आई के एम इंटर कॉलेज, विनोद कुमार ओझा समाज सेवक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कनौजिया के मार्गदर्शन में किया गया, उन्होंने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र-छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग हैं और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिता में ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा दौड़,

कबड्डी ,गोला फेक एवं अन्य खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

जिसमें कबड्डी में प्राथमिक स्तर में बालिका वर्ग प्राथमिक विद्यालय गरियावां ,बालक वर्ग उल्दा

जूनियर स्तर बालिका वर्ग उच्च प्राथमिक फतेहपुर का स्थान बालक वर्ग उल्दा। दौड़ प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग बिजलीपुर बालक भगवतीपुर वर्ग जूनियर स्तर बालिका वर्ग उच्च प्राथमिक फतेहपुर कायस्थान बालक वर्ग उच्च प्राथमिक फतेहपुर कायस्थान। चक्का फेक प्राथमिक स्तर बालक वर्ग उच्च प्राथमिक मंसूराबाद। गोला फेक जूनियर स्तर बालक वर्ग उच्च प्राथमिक विद्यालय मंसूराबाद

बालिका वर्ग उच्च प्राथमिक विद्यालय मारूफपुर

ओवरऑल चैंपियन मेहर बानो कंपोजित पटना रहीं। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर सभी शिक्षकों एवं आयोजन समिति के सदस्यों में अजीत कुशवाहा, अमित जायसवाल, इमरान, अफजल अमीन अंसारी, उदय नारायण मिश्र, श्रद्धा सिन्हा, मीनाक्षी, स्मृति मिश्रा, रघुवंश मणि त्रिपाठी, अनिल पांडेय, विनय त्रिपाठी जिन्होंने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग दिया, आयोजन का कुशल संचालन मदन मोहन शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।k

संपादकीय

ऑर्केस्ट्रा की दुनिया: चमक, चुनौती और संघर्ष

जब भी किसी शादी, मेले, सांस्कृतिक आयोजन या उत्सव में ऑर्केस्ट्रा का कार्यक्रम होता है, तो मंच पर रंग-बिरंगी रोशनी, मधुर संगीत, आकर्षक नृत्य और दर्शकों की तालियाँ एक ऐसा माहौल बना देती हैं, जिसे देखकर लगता है कि मंच पर प्रस्तुति देने वाले कलाकारों का जीवन भी उतना ही आनंदमय और रंगीन होगा। लेकिन वास्तविकता इससे काफी अलग है। इस चमकदार दुनिया के पीछे अनगिनत संघर्ष, चुनौतियाँ और त्याग छिपे होते हैं, जिनसे अधिकांश दर्शक अनजान रहते हैं।

ऑर्केस्ट्रा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हजारों कलाकारों, गायकों, वादकों, तकनीशियनों, ध्वनि विशेषज्ञों, प्रकाश व्यवस्था करने वाले कर्मचारियों और नृत्य कलाकारों की आजीविका का आधार भी है। अनेक छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में यह रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। फिर भी इस क्षेत्र से जुड़े अधिकांश कलाकारों को असंगठित कार्य व्यवस्था, अनियमित आय और सीमित सामाजिक सुरक्षा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

मंच की चमक और वास्तविक जीवन

मंच पर कलाकार हमेशा मुस्कुराते हुए दिखाई देते हैं। दर्शकों का मनोरंजन करना उनका पेशा है, इसलिए वे अपनी व्यक्तिगत परेशानियों को मंच पर नहीं आने देते। कई बार आर्थिक संकट, पारिवारिक समस्याएँ या स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों के बावजूद उन्हें लगातार प्रदर्शन करना पड़ता है। यही एक पेशेवर कलाकार की पहचान भी है, लेकिन इसके पीछे का मानसिक और शारीरिक दबाव अक्सर दिखाई नहीं देता।

आर्थिक अस्थिरता

ऑर्केस्ट्रा उद्योग में काम करने वाले अधिकांश कलाकारों की आय नियमित नहीं होती। विवाहों और त्योहारों के मौसम में काम अधिक मिलता है, जबकि अन्य महीनों में कार्यक्रम कम हो जाते हैं। इससे उनकी आय में भारी उतार-चढ़ाव आता है। कई कलाकारों को भुगतान में देरी का सामना करना पड़ता है और कभी-कभी तय पारिश्रमिक भी पूरा नहीं मिल पाता। ऐसे में परिवार का खर्च चलाना और बच्चों की शिक्षा जैसी आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन हो जाता है।

महिला कलाकारों की विशेष चुनौतियाँ

महिला कलाकारों का योगदान इस क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन उन्हें कई अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। देर रात तक कार्यक्रम, लंबी यात्राएँ, असुरक्षित वातावरण और सामाजिक पूर्वाग्रह उनके कार्य को और कठिन बना देते हैं। केवल उनके पेशे के आधार पर उनके चरित्र का आकलन करना या उन्हें सम्मान की दृष्टि से न देखना समाज की एक गंभीर समस्या है।

यह समझना आवश्यक है कि मंच पर प्रस्तुति देना भी एक सम्मानजनक पेशा है। हर कलाकार अपनी मेहनत, अभ्यास और प्रतिभा के बल पर दर्शकों का मनोरंजन करता है और उसे उसी सम्मान का अधिकार है, जो किसी अन्य पेशेवर को मिलता है।

कला के प्रति समर्पण

एक सफल प्रस्तुति के पीछे घंटों का अभ्यास, शारीरिक फिटनेस, संगीत की समझ और निरंतर मेहनत होती है। कलाकारों को नए गीत, नई नृत्य शैलियाँ और बदलती दर्शक पसंद के अनुसार स्वयं को लगातार तैयार करना पड़ता है। कई कलाकार सीमित संसाधनों में भी अपनी कला को जीवित रखने का प्रयास करते हैं।

मानसिक और शारीरिक दबाव

लगातार यात्राएँ, अनियमित दिनचर्या, देर रात तक काम, पर्याप्त विश्राम का अभाव और लगातार बेहतर प्रदर्शन का दबाव कलाकारों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। यदि उचित स्वास्थ्य सुविधाएँ और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध न हों, तो यह स्थिति और कठिन हो जाती है।

समाज की भूमिका

समाज को कलाकारों के प्रति अपनी सोच बदलने की आवश्यकता है। केवल मंच पर उनका प्रदर्शन देखकर निर्णय नहीं किया जाना चाहिए। वे भी परिवार, सपनों और जिम्मेदारियों वाले सामान्य नागरिक हैं। सम्मानजनक व्यवहार, सुरक्षित वातावरण और संवेदनशील दृष्टिकोण ही उनके आत्मविश्वास को मजबूत कर सकते हैं।

सिख धर्म के बारहमाहा में सावन : आध्यात्मिक मिलन और विरह का प्रतीक

रावेल पुष्प

भारतीय साहित्य में बारहमासा एक प्राचीन और लोकप्रिय काव्य-विधा है। संस्कृत, अपभ्रंश, ब्रज, अवधी, राजस्थानी,पंजाबी और अन्य भारतीय भाषाओं में कवियों ने बारह महीनों के माध्यम से प्रकृति, मानवीय भावनाओं तथा प्रेम-विरह का अत्यंत मार्मिक चित्रण किया है। सिख गुरुओं ने इस परंपरा को अपनाते हुए उसे आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उन्होंने ऋतु-चक्र को केवल प्रकृति-वर्णन का विषय नहीं बनाया, बल्कि उसे जीवात्मा और परमात्मा के संबंध का रूपक बना दिया।

गुरु ग्रंथ साहिब में दो प्रसिद्ध बारहमाहा रचनाएँ संकलित हैं—पहली श्री गुरु नानक देव जी द्वारा रचित, जो राग तुखारी में है, और दूसरी श्री गुरु अर्जन देव जी द्वारा रचित, जो राग माझ में है। दोनों रचनाएँ सिख दर्शन, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना की अनुपम धरोहर हैं।

गुरु नानक देव जी का बारहमाहा यह संदेश देता है कि संसार की प्रत्येक ऋतु तभी सुंदर है, जब मनुष्य का मन परमात्मा के नाम से जुड़ा हो। यदि ईश्वर से संबंध टूट जाए, तो वसंत भी सूना है और सावन भी आनंद नहीं दे सकता। दूसरी ओर गुरु अर्जन देव जी का बारहमाहा विरहिणी आत्मा की तीव्र तड़प और गुरु की कृपा से होने वाले प्रभु-मिलन का अत्यंत भावपूर्ण चित्रण प्रस्तुत करता है।

भारतीय संस्कृति में सावन वर्षा, हरियाली, झूलों, लोकगीतों और प्रेम का महीना माना जाता है। खेत लहलहाते हैं, वृक्षों में नई ऊर्जा भर जाती है, पक्षियों का कलरव वातावरण को जीवंत बना देता है। किंतु सिख गुरुओं ने इस बाहरी उल्लास के भीतर छिपे आध्यात्मिक सत्य की ओर ध्यान आकर्षित किया।

गुरु नानक देव जी के अनुसार, यदि मन प्रभु-वियोग में है, तो बाहर की वर्षा मन की प्यास नहीं बुझा सकती। बादल बरसते रहें, धरती हरी हो जाए, परंतु ईश्वर-विमुख हृदय सूखा ही रहता है। सच्चा सावन वह है जिसमें गुरु के उपदेश से आत्मा पर नाम-अमृत की वर्षा हो।

गुरु अर्जन देव जी सावन को विरहिणी आत्मा की उत्कंठा का महीना मानते हैं। चारों ओर प्रकृति का सौंदर्य उसे अपने प्रियतम प्रभु की ओर अधिक याद दिलाता है। जब तक प्रभु का मिलन नहीं होता, तब तक सावन की हर बूँद विरह की पीड़ा को और गहरा करती है। लेकिन जैसे ही गुरु की कृपा प्राप्त होती है, वही सावन परम आनंद और आत्मिक तृप्ति का प्रतीक बन जाता है।

सिख धर्म में प्रकृति ईश्वर की रचना है। इसलिए ऋतुएँ केवल मौसम नहीं, बल्कि आध्यात्मिक शिक्षा की वाहक हैं। सावन मनुष्य को यह स्मरण कराता है कि जिस प्रकार वर्षा से धरती हरी-भरी हो जाती है, उसी प्रकार प्रभु-नाम से मनुष्य का अंतःकरण भी निर्मल और जीवनदायी बन जाता है। बारहमाहा यह भी सिखाता है कि ईश्वर की प्राप्ति किसी विशेष ऋतु पर निर्भर नहीं है। यदि मन गुरु की शरण में है, तो हर महीना सावन है; और यदि मन अहंकार तथा माया में उलझा है, तो सावन भी सूखा प्रतीत होता है।

दोनों बारहमाहा रचनाओं में प्रकृति का अत्यंत सजीव चित्रण मिलता है। बादल, वर्षा, हरियाली, पक्षियों का स्वर, ऋतु-परिवर्तन—ये सभी केवल दृश्य नहीं हैं, बल्कि आत्मा की आंतरिक अवस्थाओं के प्रतीक बन जाते हैं।

नैतिकता का नया तकाजा, कांग्रेस की आक्रामकता और पंजाब सरकार के सामने कसौटी

अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र में नैतिक जिम्मेदारी और राजनीतिक शुचिता का मुद्दा समय-समय पर करवटें लेता रहा है। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसी लोकतांत्रिक परिपक्वता और जवाबदेही की एक मिसाल बनकर सामने आया है। नीट-यूजी परीक्षा के विवादों, पेपर लीक के आरोपों और देशव्यापी छात्र आंदोलनों के लंबे दौर के बाद केंद्र सरकार के इस बड़े चेहरे का जाना महक एक व्यक्ति का इस्तीफा नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक दबाव की बड़ी जीत है।

लेकिन राजनीति का एक शाश्वत नियम है कि जब दिल्ली में पत्ता हिलता है, तो उसकी सरसराहट राज्यों की राजधानियों तक भी पहुंचती है। धर्मेंद्र प्रधान के इस कदम ने न केवल केंद्र सरकार की जवाबदेही को रेखांकित किया है, बल्कि देश की राजनीति में एक नया नैतिक मानदंड भी स्थापित कर दिया है। इस घटनाक्रम के तुरंत बाद, देश भर में विपक्षी ताकतों और खासकर आम आदमी पार्टी ने इसे लोकतंत्र की जीत बताया, लेकिन अब यही नैतिकता का तीर घूमकर खुद आम आदमी पार्टी की सरकार की तरफ मुड़ता दिख रहा है। विशेष रूप से पंजाब की सियासत में इस इस्तीफे के बाद से एक भारी भूचाल आया हुआ है, जहां मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस अब बेहद आक्रामक आंदोलन के मूड में है और राज्य के दो बड़े मंत्रियों के इस्तीफे की मांग जोर पकड़ रही है।

जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने अपना इस्तीफा सौंपा, तो आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से लेकर पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा तक, पूरी पार्टी ने इसे युवाओं के संघर्ष और ईमानदारी की जीत के रूप में प्रचारित किया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर हुई चूक पर शीर्ष नेतृत्व की जवाबदेही तय होनी ही चाहिए। लेकिन पंजाब की सियासत पर नजर रखने वाले विश्लेषकों का मानना है कि नैतिकता का यह सिद्धांत एकतरफा नहीं हो सकता। पंजाब में पिछले कुछ समय से कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलताएं, खनन और कुछ विभागों में पारदर्शिता की कमी को लेकर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है। अब धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को हथियार बनाकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और अन्य ताकतों ने आप सरकार पर जबरदस्त नैतिक दबाव बना दिया है।

पंजाब के राजनीतिक गलियारों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि यदि केंद्र में पेपर लीक और प्रशासनिक चूकों के लिए कोई मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ सकता है, तो पंजाब में विभिन्न मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं के घेरे में आए मंत्रियों पर कार्रवाई क्यों नहीं होनी चाहिए? विपक्ष का सीधा हमला मुख्यमंत्री भगवंत मान की कैबिनेट के उन दो प्रमुख चेहरों पर है, जिनके विभागों को लेकर हाल के दिनों में गंभीर सवाल उठे हैं।

पंजाब की सियासत में इस समय सबसे बड़ा और तीखा हमला कांग्रेस पार्टी की ओर से देखा जा रहा है। पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर एक व्यापक रणनीति तैयार की है। कांग्रेस का तर्क बेहद सीधा और मारक है—जो आम आदमी पार्टी दिल्ली में बैठकर नैतिकता के लंबे-चौड़े भाषण देती है और केंद्रीय मंत्रियों के इस्तीफे पर जश्न मनाती है, वह अपने राज्य के मंत्रियों की गंभीर गलतियों पर पर्दा क्यों डाल रही है?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि पंजाब की जनता ने बदलाव के नाम पर आम आदमी पार्टी को सत्ता सौंपी थी, लेकिन आज राज्य में प्रशासनिक अराजकता का माहौल है। कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मुद्दे को केवल बयानों तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि ब्लॉक स्तर से लेकर चंडीगढ़ में राजभवन और मुख्यमंत्री आवास के घेराव तक एक बड़ा जन-आंदोलन शुरू करने जा रही है। कांग्रेस की इस आक्रामकता ने पंजाब की भगवंत मान सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में आने पर मजबूर कर दिया है, क्योंकि कांग्रेस इस आंदोलन के जरिए सीधे तौर पर युवाओं, बेरोजगारों और आम जनता की भावनाओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है।

पंजाब में इस समय मंत्रियों के इस्तीफे की मांग और कांग्रेस के नेतृत्व में खड़े हो रहे आंदोलन के पीछे कई गहरे आंतरिक कारण हैं:जैसे प्रशासनिक जवाबदेही की कमी: पंजाब में कई सरकारी परीक्षाओं, भर्तियों और प्रशासनिक फैसलों को लेकर लगातार उंगलियां उठती रही हैं। कांग्रेस का आरोप है कि युवाओं को रोजगार देने के वादे पर सत्ता में आई सरकार के राज में कई विसंगतियां और भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं, जिन पर मुख्यमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं।नैतिक मापदंडों का दोहरा रवैया: विपक्षी नेताओं का कहना है कि राजनीति में मापदंड सबके लिए समान होने चाहिए। अगर केंद्र की गलती पर इस्तीफा सही है, तो पंजाब सरकार के मंत्रियों की गलतियों पर चुप्पी क्यों? कांग्रेस इसे आप का पाखंड करार दे रही है।जनता का बढ़ता असंतोष: पंजाब का युवा और किसान वर्ग हमेशा से अपने अधिकारों के प्रति मुखर रहा है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राज्य के युवाओं में भी यह संदेश गया है कि लोकतांत्रिक दबाव के आगे सरकारों को झुकना ही पड़ता है। इसी भावना को कांग्रेस एक बड़े राष्ट्रव्यापी और राज्यव्यापी आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रही है।

यह इस समय पंजाब की राजनीति का सबसे बड़ा और यक्ष प्रश्न बना हुआ है। सूत्रों और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पंजाब कैबिनेट के दो मंत्रियों पर इस समय गाज गिरने की पूरी संभावना जताई जा रही है या कम से कम उन पर इस्तीफे का भारी दबाव है। हालांकि, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया है और इसे विपक्ष की राजनीति बताया है।

लेकिन पर्दे के पीछे की कहानी कुछ अलग बयां करती है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए आंतरिक संतुलन और जनता के बीच अपनी छवि को बचाना सबसे बड़ी चुनौती होती है। आप इस समय दोहरी मुसीबत में है। एक तरफ अगर वह अपने मंत्रियों का इस्तीफा नहीं लेती है, तो कांग्रेस उसे नैतिकता विरोधी और दोहरे चरित्र वाली पार्टी साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। दूसरी तरफ, यदि मंत्रियों के इस्तीफे ले लिए जाते हैं, तो यह सीधे तौर पर कांग्रेस और विपक्ष की बड़ी राजनीतिक जीत मानी जाएगी और इससे सरकार की अपनी कमजोरी उजागर होगी। इसके बावजूद, अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि पार्टी अपनी ईमानदार और जवाबदेह सरकार की छवि को बचाए रखने के लिए आने वाले दिनों में कैबिनेट में बड़ा फेरबदल कर सकती है, जिसमें इन दो विवादित मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनके विभाग बदले जा सकते हैं।

आम आदमी पार्टी का उदय ही पारंपरिक राजनीति के खिलाफ, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और उच्च नैतिक मूल्यों के आधार पर हुआ था। यही कारण है कि जनता इस पार्टी से अन्य दलों के मुकाबले कहीं अधिक शुचिता की उम्मीद करती है। लेकिन अब पंजाब में मुख्य विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस ने आप को उसी के जाल में फंसा दिया है। कांग्रेस ने याद दिलाया है कि अतीत में मामूली आरोपों पर भी आप दूसरे दलों के इस्तीफे की मांग करती थी, तो आज वह खुद अपने मंत्रियों का बचाव क्यों कर रही है?

पंजाब में भगवंत मान सरकार के लिए यह समय बेहद सतर्कता से कदम आगे बढ़ाने का है। कांग्रेस ने जिस तरह से मोचाबंदी की है और आंदोलन का मूड बनाया है, उसे देखते हुए सरकार इसे महज एक राजनीतिक नौटंकी कहकर खारिज नहीं कर सकती। पंजाब की जनता बेहद बारीकी से देख रही है कि जिस बदलाव के नाम पर उन्होंने प्रचंड बहुमत दिया था, क्या वह बदलाव वाकई जमीन पर दिख रहा है या सत्ता में आने के बाद आप भी उसी ढर्रे पर चल पड़ी है, जिस पर कभी पारंपरिक दल चला करते थे।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भारतीय राजनीति में एक स्वस्थ परंपरा की शुरूआत के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां जनभावनाओं और छात्रों के आक्रोश का सम्मान करते हुए एक शीर्ष पद पर बैठे व्यक्ति ने जिम्मेदारी स्वीकार की। लेकिन इस घटना ने पंजाब की राजनीति को जिस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, वह यह साबित करता है कि लोकतंत्र में कोई भी दल जवाबदेही से बच नहीं सकता।

कांग्रेस का आंदोलन और पंजाब के दो मंत्रियों के इस्तीफे की मांग महज एक सियासी दांवपेच नहीं है, बल्कि यह इस बात की परीक्षा है कि हमारी प्रांतीय सरकारें नैतिक दबाव को किस तरह संभालती हैं। क्या मुख्यमंत्री भगवंत मान कड़े फैसले लेकर एक मिसाल कायम करेंगे, या फिर राजनीतिक नफे-नुकसान के गणित में उलझकर कांग्रेस के आंदोलन को और हवा देंगे? आने वाले कुछ दिन पंजाब की राजनीति की दशा और दिशा तय करने वाले होंगे, और यह देखना दिलचस्प होगा कि नैतिकता की इस नई कसौटी पर आम आदमी पार्टी खुद को कितना खरा साबित कर पाती है।

नीट आंदोलन ने छात्र शक्ति का नया अध्याय लिखा

सौरभ वार्ष्णेय

देश के लोकतांत्रिक इतिहास में समय-समय पर ऐसे जनआंदोलन हुए हैं, जिन्होंने सत्ता को जनता की आवाज सुनने के लिए विवश किया। कभी किसानों का आंदोलन, कभी भ्रष्टाचार विरोधी जनआंदोलन और अब नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक तथा परीक्षा प्रणाली में अनियमितताओं के विरुद्ध छात्रों का आंदोलन—इन घटनाओं ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में संगठित, शांतिपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण जनशक्ति किसी भी सरकार से अधिक प्रभावशाली हो सकती है। यही कारण है कि आज यह कहावत फिर प्रासंगिक प्रतीत होती है—झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए।

नीट परीक्षा देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक है। ऐसे में यदि परीक्षा की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाए, तो यह केवल एक परीक्षा का संकट नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था की साख पर आघात होता है। वर्षों की कठिन मेहनत के बाद जब छात्रों को यह महसूस हो कि उनकी सफलता योग्यता के बजाय व्यवस्था की खामियों पर निर्भर हो सकती है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है।

इसी पीड़ा ने देशभर के छात्रों को एक मंच पर ला खड़ा किया। सोशल मीडिया के माध्यम से संगठित हुए युवाओं ने जंतर-मंतर सहित विभिन्न स्थानों पर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद की। यह आंदोलन किसी एक राजनीतिक दल के नेतृत्व में नहीं, बल्कि छात्रों और जागरूक नागरिकों की सामूहिक भागीदारी से आगे बढ़ा। इसने यह भी सिद्ध किया कि आज का युवा केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि आवश्यकता पड ? पर संविधानसम्मत तरीके से सड़क पर उतरकर भी अपने अधिकारों की रक्षा करना जानता है।

लगातार बढ़ते जनदबाव के बीच सरकार को शिक्षा व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़े। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, परीक्षा प्रणाली में सुधार के संकेत और पारदर्शिता को लेकर बढ़ी गंभीरता—इन घटनाओं को व्यापक स्तर पर छात्र आंदोलन की नैतिक सफलता के रूप में देखा गया। इससे यह संदेश स्पष्ट हुआ कि लोकतंत्र में सत्ता अंततः जनता की आवाज के प्रति जवाबदेह होती है। यदि आंदोलन तथ्यों, अनुशासन और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के साथ संचालित हो, तो सबसे मजबूत सरकारों को भी अपने निर्णयों पर पुनर्विचार करना पड़ता है।

यह आंदोलन एक और महत्वपूर्ण संदेश देता है। छात्रों को केवल भविष्य के मतदाता या राजनीतिक भीड़ के रूप में देखना बड़ी भूल होगी।

भारतीय इतिहास इस बात का साक्षी है कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन तक छात्र शक्ति ने परिवर्तन की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाई है। आज भी युवा केवल अपने व्यक्तिगत भविष्य के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था में पारदर्शिता और न्याय की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

हालाँकि, यह भी उतना ही आवश्यक है कि छात्र आंदोलनों का उद्देश्य राजनीतिक लाभ नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार हो। यदि किसी आंदोलन का केंद्र शिक्षा, पारदर्शिता और समान अवसर के बजाय राजनीतिक ध्रुवीकरण बन जाए, तो उसका मूल उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। इसलिए सरकार, विपक्ष, न्यायपालिका और समाज—सभी की साझा जिम्मेदारी है कि परीक्षा प्रणाली को इतना मजबूत बनाया जाए कि पेपर लीक, नकल माफिया और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं की पुनरावृत्ति न हो।

नीट विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल दोषियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। परीक्षा संचालन की पूरी व्यवस्था में तकनीकी सुधार, डिजिटल सुरक्षा, संस्थागत जवाबदेही, समयबद्ध जांच और कठोर दंड व्यवस्था लागू करना समय की आवश्यकता है। लाखों छात्रों का भविष्य किसी प्रशासनिक लापरवाही या संगठित अपराध की भेंट नहीं चढ़ सकता।

12 वर्षों बाद छात्र आंदोलन के आगे झुकती सरकार ?

इस आंदोलन को लेकर यह धारणा भी सामने आई कि लंबे समय बाद केंद्र सरकार को छात्रों के बढ़ते दबाव के बीच कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़े। यदि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता, विशेषकर छात्र समुदाय, लगातार किसी मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त करता है, तो सरकार का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि संवाद स्थापित कर समाधान खोजना भी होता है। लोकतंत्र की सफलता इसी में है कि सरकार और नागरिक टकराव नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से समाधान तक पहुँचें।

ए.आई. और गुरुजी : तकनीक का युग, संस्कारों का सेतु

सत्य भूषण शर्मा

आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है। शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, उद्योग, संचार और अनुसंधान—हर क्षेत्र में ए.आई. ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है। कुछ ही क्षणों में कठिन प्रश्नों के उत्तर, भाषा अनुवाद, चित्र निर्माण, शोध सामग्री और विश्लेषण उपलब्ध हो जाते हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या ए.आई. भविष्य में गुरुजी का स्थान ले सकती है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानवीय और सांस्कृतिक भी है।

भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी उच्च स्थान दिया गया है—गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवो महेश्वरः।

गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला पथप्रदर्शक होता है। वह छात्र की प्रतिभा को पहचानता है, उसकी कमियों को समझता है, उसके भीतर आत्मविश्वास जगाता है और उसे एक श्रेष्ठ नागरिक बनने की प्रेरणा देता है।

निस्संदेह, ए.आई. एक अत्यंत सक्षम सहायक है। वह लाखों पुस्तकों का सार प्रस्तुत कर सकती है, कठिन विषयों को सरल बना सकती है, व्यक्तिगत अध्ययन योजना तैयार कर सकती है तथा विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का त्वरित समाधान दे सकती है। इससे शिक्षा अधिक सुलभ, रोचक और प्रभावी बन रही है। भविष्य का विद्यार्थी ए.आई. की सहायता से अपनी गति और रुचि के अनुसार सीख सकेगा।

किन्तु ज्ञान और बुद्धिमत्ता में अंतर होता है। ए.आई. जानकारी देती है, परंतु जीवन-मूल्य नहीं देती। वह उत्तर दे सकती है, लेकिन संवेदना नहीं दे सकती। वह तर्क कर सकती है, परन्तु त्याग, करुणा, अनुशासन, धैर्य, सहानुभूति और चरित्र निर्माण का पाठ नहीं पढ़ा सकती। विद्यार्थी की आँखों में छिपी चिंता, असफलता का दर्द, सफलता का उत्साह और भविष्य की आशंका को एक सच्चा गुरु ही समझ सकता है।

गुरु केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, वे जीवन जीना सिखाते हैं। वे अपने आचरण से प्रेरणा देते हैं। उनका स्नेह, अनुशासन, आशीर्वाद और अनुभव किसी भी मशीन से कहीं अधिक मूल्यवान है। एक शिक्षक विद्यार्थियों में केवल ज्ञान नहीं, बल्कि विवेक, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी विकास करता है।

आज आवश्यकता प्रतिस्पर्धा की नहीं, समन्वय की है। ए.आई. और गुरुजी को एक-दूसरे का विकल्प नहीं, बल्कि सहयोगी माना जाना चाहिए। यदि ए.आई. जानकारी का महासागर है, तो गुरु उस महासागर में सही दिशा दिखाने वाला प्रकाशस्तंभ है।

तिरस्कार से तख्त तक: कीड़ों ने सत्ता नहीं, सोच को चुनौती दी

प्रो. आरके जैन अरिजीत

हर युग अपने प्रतीक स्वयं गढ़ता है। कभी कोई शब्द अपमान का पर्याय होता है और कभी वही शब्द परिवर्तन का ध्वज बन जाता है। हाल के दिनों में भारतीय लोकतंत्र ने यही देखा, जब चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया की एक टिप्पणी में प्रयुक्त कॉकरोच शब्द को युवाओं ने अपमान नहीं, पहचान बना लिया। देखते ही देखते वही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का प्रतीक बन गया। जंतर-मंतर से उठी यह आवाज न किसी राजनीतिक दल की रैली थी, न पारंपरिक छात्र आंदोलन; यह उस पीढ़ी का सामूहिक प्रतिरोध था, जिसने वर्षों तक परीक्षाएँ दीं, लेकिन पहली बार परीक्षा लेने वाली व्यवस्था को ही कठघरे में खड़ा कर दिया। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसलिए केवल पदत्याग नहीं, बल्कि उस शिक्षा तंत्र के विरुद्ध पहला सार्वजनिक अभियोग है, जिसकी जवाबदेही लंबे समय से टलती रही।

विचार जब व्यंग्य का वस्त्र पहन ले, सत्ता सबसे अधिक असहज होती है। भारतीय छात्र आंदोलनों का इतिहास नारों, धरनों और टकरावों से भरा है, लेकिन सीजेपी ने प्रतिरोध की नई व्याकरण रची। जिस शब्द को अपमान माना गया, युवाओं ने उसे अपनी पहचान बना लिया। यह भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, मनोवैज्ञानिक विजय थी। महात्मा गांधी ने जैसे नमक को साम्राज्यवादी कानून के विरुद्ध नैतिक हथियार बनाया, वैसे ही इन युवाओं ने उपहास को अपनी ताकत बना लिया। पहली बार किसी व्यंग्यात्मक नाम ने राष्ट्रीय आंदोलन का प्रतीक बन यह साबित किया कि डिजिटल युग में प्रतीक बंदूक नहीं, बुद्धिमत्ता गढ़ती है और सम्मान दूसरों की भाषा

नहीं, आत्मविश्वास से मिलता है।

हँसी कभी-कभी आँसुओं से अधिक क्रांतिकारी होती है। सीजेपी की सबसे बड़ी ताकत उसका ह्यूमर था। जहाँ पारंपरिक आंदोलनों में गुस्सा भीड़ जुटाता है, वहीं मीम्स, रील्स, व्यंग्यपूर्ण पोस्टरों और कीड़े की थीम ने लाखों युवाओं को जोड़ दिया। पुलिस कार्रवाई, लाठीचार्ज, बढ़ते तनाव और सोशल मीडिया ट्रोलिंग के बावजूद आंदोलन ने अपनी मुस्कान नहीं छोड़ी। यही उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक सफलता थी। सूचना युग में इन युवाओं ने साबित किया कि विचार केवल भाषणों से नहीं, रचनात्मक अभिव्यक्ति से भी फैलते हैं। यहाँ ह्यूमर मनोरंजन नहीं, प्रतिरोध की रणनीति था, जिसने आक्रोश को अराजकता बनने से रोका और आंदोलन को व्यापक सामाजिक समर्थन दिलाया। भविष्य की भूख सबसे बड़ी राजनीतिक ऊर्जा होती है। सीजेपी की दूसरी ताकत उसका हंगर था—सत्ता परिवर्तन से अधिक भरोसेमंद शिक्षा व्यवस्था की भूख। नीट पेपर लीक, बार-बार परीक्षाओं का रद्द होना, परिणामों में देरी, कोचिंग माफिया का बढ़ता प्रभाव और विद्यार्थियों की आत्महत्याएँ अलग-अलग घटनाएँ नहीं, बल्कि उस टूटते विश्वास के प्रमाण थीं, जिसे ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवार अपनी उम्मीद, बचत और संघर्ष से वर्षों से सँजोए हुए थे। सीजेपी ने इसी मौन पीड़ा को संगठित किया। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इस भूख की महत्वपूर्ण राजनीतिक अभिव्यक्ति है, लेकिन असली सवाल अब भी यही है—क्या केवल चेहरा बदलेगा या व्यवस्था का चरित्र भी? नीति की सबसे कठिन परीक्षा वही होती है, जिसमें प्रश्न जनता पूछती है। नीट की अवधारणा गलत नहीं थी। पूरे देश के लिए एक समान परीक्षा, मेरिट आधारित चयन और पारदर्शिता उसका उद्देश्य था। लेकिन श्रेष्ठ विचार भी क्रियान्वयन पर लगातार उठते संदेहों से अविश्वसनीय हो जाते हैं। पेपर लीक, परीक्षा रद्द, तकनीकी अव्यवस्था और विलंब ने इस सुधार को संकट में बदल दिया। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा व्यक्तिगत उत्तरदायित्व का संकेत हो सकता है, लेकिन भारतीय शिक्षा की बीमारी कहीं अधिक गहरी है। सीबीआई जाँच, दोषियों की गिरफ्तारी, परीक्षा रद्द करना और सीबीटी (कंप्यूटर आधारित परीक्षा) आवश्यक कदम हैं, पर वे लक्षणों का उपचार हैं, रोग का नहीं। असली बीमारी उस संरचना में है, जहाँ करोड़ों विद्यार्थियों का भविष्य एक केंद्रीकृत परीक्षा पर टिका है।

जब शिक्षा नियंत्रण का औजार बन जाए, प्रतिभा सबसे पहले घायल होती है।

प्रदेश में बचे हुए गांवों में 24 घंटे काम कर जल्द से जल्द पहुंचाएं नल से जल : स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ।
प्रदेश के जिन जापैनीज एनसेफ्लाइटिज (खए), एक्यूट एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम (अएर) प्रभावित गांवों में अभी तक नल से जलापूर्ति नहीं शुरू हुई है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उन बचे गांवों में 24 घंटे तीन शिफ्टों में काम कर जल्द से जल्द पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

जिससे जेई, एईएस प्रभावित गांवों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। सोमवार को राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। अगर कहीं भी किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है, तो अधिकारी तत्काल दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति संबंधी शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया जाए। साथ ही कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। समीक्षा बैठक में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव, एमडी जल निगम ग्रामीण, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक समेत विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अधिकारी नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को करें भ्रमण

जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर पेयजल संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान करें। सिंगल विलेज योजनाओं के सभी शेष कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं।

पाइपलाइन बिछाने से प्रभावित सड़कों की तत्काल प्रभाव से मरम्मत कराने के निर्देश जलशक्ति मंत्री ने दिए। उन्होंने कहा कि अगर कहीं भी सड़क रिस्टोरेशन के कार्यों में शिकायत आती है, तो दोषियों को किसी भी हाल में बक्शा नहीं जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने जिले के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह अंतिम चेतावनी है, इसके बाद संबंधित अधिकारियों को मुख्यालय से संबद्ध किया जाएगा। समीक्षा बैठक के दौरान जलशक्ति मंत्री ने निर्देश दिए कि अधिकारी गांवों में जाकर जल जीवन मिशन के प्रभाव का आकलन करें। विशेषकर जलजनित बीमारियों में आई कमी और ग्रामीणों के जीवन में हुए सकारात्मक बदलाव की जानकारी लें। लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूक करें।

जल अर्पण कार्यक्रमों में लाएं तेजी

जलशक्ति मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन की ज्यादातर परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा से पहले ही पूरी हो चुकी हैं।

जिन-जिन गांवों में नल से पेयजल आपूर्ति का काम पूरा हो चुका है। वहां जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन कराया जाए। लोगों को "जल अर्पण" कार्यक्रम के महत्व को समझते हुए अधिक से अधिक जल अर्पण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। जलशक्ति मंत्री ने प्रत्येक जिले में नियमित रूप से जल चौपाल आयोजित करने, जनप्रतिनिधियों से संवाद कर उन्हें जल जीवन मिशन की प्रगति रिपोर्ट पोर्टल एवं "जल सारथी" ऐप के माध्यम से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

पुरानी परियोजनाओं को 02 महीने में करें पूरा

समीक्षा बैठक के दौरान जलशक्ति मंत्री ने जल निगम ग्रामीण की पुरानी योजनाओं में देरी पर नाराजगी जाहिर की।

जलशक्ति मंत्री ने जल निगम ग्रामीण की पुरानी परियोजनाओं में देरी पर अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि परियोजनाओं को 02 महीने के भीतर पूरा कर लिया जाए।

बीएचयू परिसर में 'एक वृक्ष मां के नाम' अभियान में 111 पौधों का रोपण

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू)में पर्यावरण संरक्षण एवं परिसर को अधिक हरित एवं सौंदर्यपूर्ण बनाने के उद्देश्य से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में सोमवार को पौधा रोपण किया गया। केन्द्रीय कार्यालय परिसर में विशेष पौधरोपण कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी व कुलसचिव राजन श्रीवास्तव ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी कर नीलमोहर का पौधा रोपित किया।

इस अभियान में विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर कुल 111 पौधों का रोपण किया गया, जिनमें 100 रक्तमंजरी तथा 11 नीलमोहर के पौधे शामिल हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में पहली बार नीलमोहर के पौधे लगाए गए। अपने आकर्षक नीले-बैंगनी पुष्पों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध नीलमोहर (जैकारैंडा मिमोसिफोलिया) सामान्यतः अप्रैल माह में पुष्पित होता है तथा मौसम की अनुकूलता के अनुसार लगभग तीन से चार माह तक पुष्पित रहता है। इसकी संख्या बढ़ाने और जैव विविधता के संरक्षण के उद्देश्य से इस प्रजाति के पौधों का रोपण किया जा रहा है। वहीं रक्तमंजरी के पौधे परिसर की हरित आभा और सौंदर्य में वृद्धि करेंगे।

पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन उद्यान विशेषज्ञ इकाई के आचार्य प्रभारी प्रो. सरफराज आलम के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर प्रो. अनुराग दवे, आचार्य प्रभारी, बाह्य संप्रेषण, प्रो. राकेश कुमार सिंह, उप-ग्रंथालयी डॉक्टर संजीव सर्राफ, अश्विनी देशवाल, वरिष्ठ अधिकारी, उद्यान, एवं भरत पांडेय आदि की भी मौजूदगी रही।

उत्तर मध्य रेलवे में ग्रुप 'डी' भर्ती की शारीरिक परीक्षा पारदर्शी ढंग से जारी, अभ्यर्थियों ने की व्यवस्थाओं की सराहना

प्रयागराज।
उत्तर मध्य रेलवे के रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ (आरआरसी) की ओर से ग्रुप 'डी' के विभिन्न पदों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) डीएसए ग्राउंड, प्रयागराज में पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से कराई जा रही है। परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी रेलवे की ओर से की गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं की सराहना कर रहे हैं।

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ के अनुसार उत्तर मध्य रेलवे में 2,020 रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। 25 से 28 जुलाई तक आयोजित हो रही शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए 3,736 अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। इनमें 3,511 पुरुष और 225 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। वहीं नियमों के अनुसार 751 अभ्यर्थियों को पीईटी से छूट दी गई है।

शारीरिक परीक्षा में पुरुष अभ्यर्थियों को 4 मिनट 15 सेकंड में 1,000 मीटर दौड़ पूरी करनी होती है और 35 किलोग्राम वजन उठाकर 100 मीटर की दूरी 2 मिनट में तय करनी होती है। महिला अभ्यर्थियों के लिए 1,000 मीटर दौड़ के लिए 5 मिनट 40 सेकंड और 20 किलोग्राम वजन उठाकर 100 मीटर की दूरी 2 मिनट में पूरी करने का मानक निर्धारित किया गया है।

परीक्षा को सुव्यवस्थित बनाने के लिए अभ्यर्थियों को सुबह 6 बजे, 7 बजे और 8 बजे तीन बैचों में बुलाया जा रहा है। सबसे पहले दस्तावेजों का सत्यापन, बायोमेट्रिक और आधार प्रमाणीकरण तथा आरएफआईडी पंजीकरण किया जाता है। इसके बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा के सभी नियम और मानकों की जानकारी दी जाती है।

रेलवे के अनुसार 25 जुलाई को 1,000 में से 640 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 251 सफल और 229 असफल रहे, जबकि भारी बारिश के कारण प्रभावित लगभग 160 अभ्यर्थियों को आरक्षित दिन पर दोबारा मौका दिया जाएगा।

नौकरी लगवाने के नाम पर युवती की अस्मत लूटने का प्रयास, मुकदमा दर्ज

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना नॉलेज पार्क में एक युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक व्यक्ति ने उसको नौकरी लगवाने के लिए उसे ग्रेटर नोएडा में बुलाया। अपनी कार में बैठाकर उसने उसके साथ अश्लील हरकत की। युवती के अनुसार जब उसने विरोध किया तो उसने उसे कार से उतार दिया, तथा वहां से चला गया।

थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात को एक युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अल्फा- वन सेक्टर में रहती है। पीड़िता के अनुसार उसके जानने वाले मुंदर नागर का उसके पास फोन आया। उसने कहा कि आपको ऑनलाइन जॉब लगवा दूंगा। मिलकर बात करते हैं। उसकी बात पर विश्वास करके वह उससे मिलने के लिए गई। वह अपनी कार में आया तथा उसको अपनी कार में बैठाकर अपने साथ ले गया। पीड़िता के अनुसार कार में बैठाकर आरोपी उसको एक्सपो मार्ट के पास लेकर गया। वहां पर उसने उसके कपड़ों के अंदर हाथ डालकर उसके नाजुक अंगों को छूना शुरू कर दिया। जब युवती ने विरोध किया तो आरोपी उसे कार से उतार कर मौके से भाग गया। थाना प्रभारी ने बताया की युवती ने बीती रात को घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महानिदेशक रेलवे डी प्रकाश ने की शिष्टाचार भेंट, विशेष प्रशिक्षण का किया अनुरोध

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महानिदेशक (रेलवे, उ०प्र०) प्रकाश डी. ने भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ के निदेशक रंजन प्रकाश ठाकुर (आईआरटीएस) से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उत्तर प्रदेश के विस्तृत एवं व्यस्त रेल नेटवर्क में यात्रियों की संरक्षा, रेलवे सुरक्षा तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तृत वार्ता की गई। उसके अतिरिक्त जीआरपी के अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्यकुशलता और क्षमता और बेहतर करने हेतु विशेष प्रशिक्षण दिलाने का भी अनुरोध किया गया।

एसपी ने सैनी थाने का किया निरीक्षण, मिला सब ओके

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

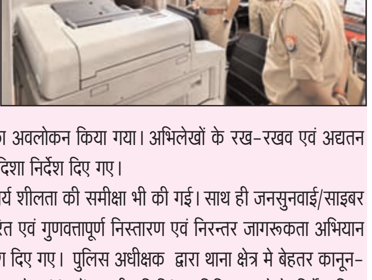

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा थाना सैनी एवं चौकी अझुआ का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान साइबर हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति कक्ष, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, थाना कार्यालय, मालखाना, हवालात, भोजनालय, बैरक एवं थाना परिसर की साफ-सफाई का निरीक्षण कर अभिलेखों का अवलोकन किया गया। अभिलेखों के रख-रखव एवं अद्यतन प्रविष्टियाँ अंकित करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

एसपी द्वारा सीसीटीवी कैमरों की कार्य शीलता की समीक्षा भी की गई। साथ ही जनसुनवाई/साइबर हेल्प डेस्क पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एवं निरन्तर जागरूकता अभियान चलाए जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना क्षेत्र मे बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराध नियंत्रण के संबंध में प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ई-रिक्शा चालक को टैंपो चालकों ने पीटकर किया लहूलुहान, टैंपो समेत एक आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज प्रयागराज। स्थानीय कस्बे में मंगलवार की सुबह सवारी ले जा रहे एक ई-रिक्शा चालक को टैंपो चालकों के गुट ने रोककर बुरी तरह पीट दिया। मारपीट में पीड़ित का नाक फट गया और शरीर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक आरोपी को टैंपो समेत हिरासत में ले लिया है। पुलिस को मिली तहरीर के अनुसार, दानियालपुर निवासी पीड़ित लाल जी बेड़िया ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मंगलवार सुबह वह ई-रिक्शा में सवारियां लेकर जा रहे थे, तभी रास्ते में दबंग टैंपो चालकों ने उन्हें घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों व घूसों से हमला कर दिया। मारपीट में लाल जी का चेहरा और शरीर लहूलुहान हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से एक आरोपी युवक को टैंपो सहित पकड़ लिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने उसका डॉक्टरी परीक्षण कराया है और मामले की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

नवाबगंज पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

कस्बे में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और पुलिस की शिथिलता को लेकर स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते सप्ताह चैनी का पुरा में दो पक्षों के बीच हुई हिंसक मारपीट में दो लोगों के सिर फट गए थे तथा एक महिला भी गंभीर रूप से घायल हुई थी। उस मामले में पुलिस ने चिकित्सीय परीक्षण तो कराया, लेकिन मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया और अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नवाबगंज पुलिस की इस ढुलमुल कार्यशैली के कारण क्षेत्र में अराजक तत्वों के हौसले बुलंद हो रहे हैं।

उप्र में 41 पीसीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश शासन ने सोमवार देरात 41 पीसीएस अफसरों का स्थानांतरित कर दिया गया। सूची के मुताबकि महेंद्र कुमार सिंह को विशेष कार्यधिकारी अयोध्या विकास प्राधिकरण से नगर मजिस्ट्रेट वाराणसी, बिन्दु लता को उपजिलाधिकारी जौनपुर से अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) कानपुर नगर, संजय चावला को उपजिलाधिकारी आजमगढ़ से अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजमगढ़ बनाया है।

फरुर्खाबाद : हत्या कर खेत की मेड़ में फेंका अधेड़ का शव, जांच में जुटी पुलिस

फरुर्खाबाद।
उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद में कमालगंज थाना क्षेत्र में एक अधेड़ ग्रामीण की हत्या कर शव खेत की मेड़ में फेंकने का मामला मंगलवार को सामने आया है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच करते हुए कार्रवाई में जुट गई है।

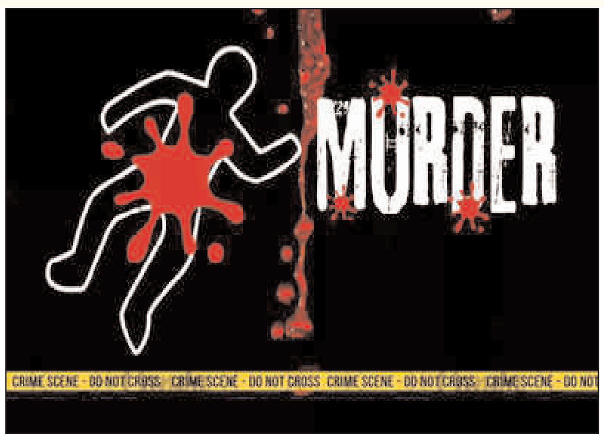

थाना कमालगंज के ग्राम सबासी गंगापार निवासी पप्पू यादव (45) पुत्र विक्रम सिंह यादव का शव ग्राम बसैकापुर जाने वाले रास्ते पर हरिशंकर के खेत की मेड़ पर पड़ा देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मृतक पप्पू की आंख के पास घाव देखा गया। शरीर पर अन्य कोई जहिरा चोट नहीं थी। अनुमान लगाया गया की गला घोंटकर पप्पू की हत्या कर शव को यहां लाकर फेंका गया है। बताया जा रहा है कि मृतक पप्पू ने पड़ोसी गांव धीरपुर में रहने के लिए कमलेश शर्मा के मकान के निकट जगह खरीदी थी। मृतक पप्पू रोज की तरह खरीदी गई जगह पर चारपाई डालकर बीती रात सोने गया था। सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, थाने के दरोगा हाकिम सिंह एवं फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रीश कुमार ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल हत्या किए जाने के कारण का पता नहीं चला सका है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच करते हुए का कि जाएगी।

नोएड में विभिन्न जगहों पर एक युवती समेत चार लोगों ने की आत्महत्या

नोएडा।
नोएडा के अलग-अलग थानाक्षेत्रों में सोमवार को एक युवती समेत चार लोगों ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पाया कि इन लोगों ने मानसिक तनाव के चलते खुदकुशी की हैं। फिलहाल पुलिस मामलों में जांच कर रही है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि पंचायतन गांव निवासी पंकज (35) शराब पीने के आदि थे। उन्होंने सोमवार की रात को घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी तरह बिसरख थाना क्षेत्र में रहने वाले चिपियाना बुजुर्ग निवासी आशीष (47) ने सोमवार की देर शाम को अज्ञात कारण से अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में रहने वाली रामपाल की 19 वर्षीय पुत्री सोनम ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर सोमवार की शाम को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खोड़ा कॉलोनी में रहने वाले अभिषेक सिंह (24) ने सोमवार सुबह को अपने घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्हें उपचार के लिए नोएडा के मेट्रो अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सोमवार की रात को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई है। युवक वह मूल रूप से जनपद वाराणसी के रहने वाला था। मौजूदा समय मे वह बेरोजगार था। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना सेक्टर 24 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार , पैर में गोली लगने से हुए घायल

नोएडा।
नोएडा के थाना ईकोटेक प्रथम पुलिस ने सोमवार की देर रात को मुठभेड़ के दौरान दो कुख्यात लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली से दो बदमाश घायल हुए हें। पुलिस दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम ने बताया कि थाना ईकोटेक प्रथम पुलिस सोमवार देर रात को एएमआर बिल्डिंग के पीछे बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। तभी एक संदिग्ध कार आती हुई दिखाई दी। जब पुलिस ने कार को रूकने का इशारा किया तो कार सवार बदमाश पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाकर वहां से भागने लगे।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली दो बदमाशों के पैर में लगी है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी पहचान मध्य प्रदेश के अभिषेक सिंह, रमन शर्मा के रूप में हुई है। घायल बदमाशों के पास से पुलिस ने लूटी हुई स्विफ्ट डिजायर कार, एक मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त दो अन्य मोबाइल फोन, देशी तमंचे, कारतूस आदि बरामद किया है।

आगरा : बंद मकान के कमरे से दुर्गंध आने पर ताला तोड़कर निकाला गया महिला का शव, पति फरार

आगरा ।
उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में मंगलवार की सुबह एक मकान से आ रही दुर्गंध पर अंदर कोई शव होने की संभावना को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई, मौके पर पुलिस, फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम द्वारा घर का ताला तोड़ा गया तो एक महिला का शव बराबद हुआ।

आगरा में मंगलवार को थाना ताजगंज क्षेत्र अंतर्गत समय लगभग ०८ बजे दरगाह अहमद बुखारी,नगला पेमा रोड के पास फरहान खान के मकान में कमरे से आ रही दुर्गंध के बाद घर में किसी व्यक्ति का शव होने की सूचना स्थानीय मोहल्ले वासियों ने पुलिस को सूचना दी। स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर फील्ड यूनिट और फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। थाना ताजगंज पुलिस द्वारा जानकारी की गई तो ज्ञात हुआ उक्त मकान फरहान (35)उर्फ आकू पुत्र अकबर अली उर्फ बब्बू निवासी निकट दरगाह अहमद बुखारी नगला पेमा रोड का है। फरहान अपने पिता अकबर अली की पीर कल्याण संजय पैलेस स्थित होटल पर ही कार्य करता है।

स्थानीय पुलिस के पहुंचने के करीब तीन घंटे बाद फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक साइंस यूनिट की टीम घटना स्थल पर पहुंचने के बाद घर का ताला तोड़ कर कमरे में देखा गया तो वहां एक 35 वर्षीय महिला का शव कमरे में पड़ा मिला। टीम मृतक महिला के आसपास भौतिक साक्ष्यों को इकट्ठा किया गया। पुलिस द्वारा शव का पंचायतनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोचेर्री भेजा गया। महिला के सिर पर किसी भारी वस्तु से चोट के निशान पाए गए जिससे अनुमान लगाया जा रहा है की महिला की बेरहमी हत्या की गई है । महिला का कथित पति फरहान और परिजनों के गायब होने से हत्या के शक की सुई इन्ही लोगों पर जा रही है।फील्ड यूनिट के पहुंचने से पहले घर के अंदर फरहान का शव होने की चर्चा थी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि फरहान शादीशुदा था और उसके दो बच्चे हैं। करीब डेड़ महीने पहले फरहान झांसी से एक महिला को अपने घर लाया था जिसे अपनी दूसरी बीवी बताता था। यह महिला भी शादीशुदा थी इसके भी

कई दिनों की गिरावट के बाद सोना-चांदी फिर चमके

चांदी 2300 और सोना 658 रुपए महंगा हुआ

मुंबई ।

सोने और चांदी के दामों में सप्ताह के पहले`` दिन सोमवार को जोरदार तेजी देखी गई, जिससे इन बहुमूल्य धातुओं को पिछले कई दिनों से जारी गिरावट से राहत मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी 2300 रुपए उछलकर कारोबार कर रही है, जबकि सोना भी 658 रुपए महंगा हो गया है। विशेषज्ञों ने अमेरिकी डॉलर की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी को इस तेजी की मुख्य वजह बताया है। सोमवार के कारोबार में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी 2300 रुपए की बढ़त के साथ 2,24,501 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वहीं, सोना 658 रुपए चढ़कर 1,43,764 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी गोल्ड रेट 0.52 फीसदी की तेजी के साथ 4,091 डॉलर प्रति औंस पर देखा गया, जबकि चांदी 1.31 फीसदी बढ़कर 59.68 रुपए प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। निवेशकों और खरीदारों के लिए, 22 कैरेट सोने का भाव 1,32,840 से 1,32,990 प्रति 10 ग्राम के बीच है, जिससे 1 तोला (11.66 ग्राम) 22 कैरेट सोने की कीमत लगभग 1,54,900 से 1,55,100 के बीच बैठती है।

वहीं, 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,920 से 1,45,080 प्रति 10 ग्राम है, जिसके आधार पर 1 तोला 24 कैरेट सोने की कीमत करीब 1,68,900 से 1,69,100 रुपए के आसपास है। सोने के दाम शहर और ज्वेलर्स के हिसाब से थोड़े अलग हो सकते हैं, और ज्वेलरी खरीदते समय मेकिंग चार्ज, जीएसटी व अन्य शुल्क अलग से जोड़े जाते हैं।

गोल्ड जूलर मास्टर चेन्स 400 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास पहुंचा

नई दिल्ली ।

स्वर्ण आभूषण विनिर्माता और थोक वितरक कंपनी मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स लिमिटेड ने पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रारंभिक दस्तावेज जमा कराए हैं। प्रस्तावित आईपीओ में 400 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे, साथ ही एक प्रमोटर द्वारा 59.06 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी लाई जाएगी। कंपनी द्वारा दाखिल दस्तावेजों के अनुसार नए शेयरों के निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग मुख्य रूप से कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स अपनी विनिर्माण क्षमता और व्यापक थोक वितरण नेटवर्क के माध्यम से देशभर के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करती है। कंपनी के पास 80,000 से अधिक आभूषण डिजाइनों का एक विस्तृत संग्रह है।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई ।

एशिया के अधिकांश शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। जापान का निक्केई 225 करीब 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स लगभग 0.58 फीसदी जबूत रहा। अमेरिकी बाजारों में बीते शुक्रवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। डॉव जोंस 0.46 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.05 फीसदी की मामूली तेजी रही। वहीं नैस्डैक कंपोजिट 0.64 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 776, निफ्टी 228 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट रही थी जिससे अब बाजार उबर गया है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 776.01 अंक बढ़कर 76,835.78 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 228.50 अंक उछलकर 23,995.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान 2646 शेयरों में तेजी रही जबकि 1530 शेयर गिरे जबकि 176 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया।

निफ्टी में सबसे ज्यादा बढ़त इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में रही। वहीं एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी बैंक और डॉ. रेड्डीज लैब्स के शेयरों में बढ़त रही। आज निफ्टी मीडिया में सबसे अधिक बढ़त रही। इसके बाद निफ्टी और निफ्टी रियल्टी का नंबर आता है जबकि निफ्टी ऑटो और निफ्टी फार्मा में अधिक बढ़त नहीं रही।

अन्य सेक्टरों की बात करें तो निफ्टी एफएमसीजी के अलावा निफ्टी बैंक और निफ्टी इंफ्रा में 0.66 फीसदी, व निफ्टी मेटल के शेयरों में बढ़त रही। व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप 100 में 1 फीसदी की बढ़त रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 1.3 फीसदी की तेजी आई।

वहीं आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में उछाल आया। सुबह शुरुआत में निफ्टी 50 156 अंक की बढ़त के साथ 23,923.05 के स्तर पर कारोबार किया। वहीं सेंसेक्स 537 अंक चढ़कर 76,596.31 पर पहुंच गया। यह बढ़त इस उम्मीद पर आधारित थी कि मध्य-पूर्व में सैन्य टकराव टल गया है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें नियंत्रण में रहेंगी।

कच्चे तेल में भारी गिरावट, ब्रेंट 90 डॉलर के नीचे

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम, महंगे ईंधन के खतरे से भारत को मिली फौरी राहत

नई दिल ली ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव में नरमी के संकेतों के बीच वैश्विक कच्चे तेल के बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बीते दो दिनों से अमेरिका और ईरान के बीच एक-दूसरे पर रोक रहने से कच्चे तेल की कीमतें नरम पड़ गई हैं,

जिससे दुनियाभर में महंगे पेट्रोल-डीजल के बढ़ते खतरे को फौरी राहत मिली है।

सोमवार को इंट्राडे में ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसलकर करीब 6.34 फीसदी टूट गया, वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी लगभग 6.31 फीसदी गिरकर 84.73 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक महीने में 20 फीसदी उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल पार करने के बाद यह राहत भरी गिरावट आई है। यह गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम होने का सीधा परिणाम है।

लगातार 13 रातों के हवाई हमलों के बाद पिछले दो दिन से खाड़ी देशों में शांति है। ईरान ने भी कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। ईरान समर्थित हूतियों के सऊदी अरामको पर हमले के दावे की पुष्टि न होने से भी बाजार ने राहत महसूस की।

अब तकनीकी रूप से बाजार ओवरबॉट जोन से बाहर आकर सामान्य होता दिख रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

भारतीय रुपया सोमवार को 68 पैसे बढ़कर 95.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि शुक्रवार को यह 96.57 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सोमवार को 96.18 प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि शुरुआती बढ़त का कुछ हिस्सा गंवाने के बाद यह 96.28 प्रति डॉलर पर कारोबार करता देखा गया। इसके बावजूद यह पिछले बंद भाव की तुलना में 28 पैसे की बढ़त में रहा। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और अमेरिका तथा ईरान की ओर से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत मिलने के बाद वैश्विक बाजारों में बने सकारात्मक रुख से रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक भी ऊंचे स्तर से नीचे आया, जबकि घरेलू शेयर बाजार में मजबूत लिवाली का रुख देखने को मिला, जिससे स्थानीय मुद्रा को और मजबूती मिली। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.04 पर आ गया।

पतंजलि आटे में कीटनाशक की मात्रा ज्यादा पाई गई, कंपनी ने खेप वापस बुलाई

शेयर 37 फीसदी से ज्यादा गिरे, यह 552 से अब 344 रुपए के आसपास आ गया

मुंबई, ।

बाबा रामदेव की पतंजलि फूड्स के एक ब्रांडेड गेहूं के आटे की खेप में क्लोरपायरीफोस नामक कीटनाशक का अंश अधिकतम तय लिमिट से कहीं ज्यादा निकला जिसके कारण आटे की खेप वापस बुलानी पड़ी। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया, क्योंकि जांच में इस आटे में कीटनाशक की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई। यह आदेश केरल के कोट्टायम में खाद्य सुरक्षा सहायक आयुक्त के कार्यालय की ओर से जारी किया गया था। दरअसल, इस खेप में क्लोरपायरीफोस नामक कीटनाशक का अंश अधिकतम तय लिमिट से कहीं ज्यादा निकला, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिकॉल का आदेश 20 जुलाई को जारी हुआ था और पतंजलि फूड्स को यह 24 जुलाई को प्राप्त हुआ। कंपनी ने यह साफ नहीं किया है कि इस प्रभावित खेप का बैच नंबर क्या है, कितनी मात्रा में आटा प्रभावित हुआ है,

और यह आटा किन बाजारों में बेचा गया था।हालांकि, पतंजलि फूड्स ने यह भी कहा कि इस रिकॉल का उनके वित्तीय या परिचालन गतिविधियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, सिवाय उस प्रभावित खेप के मूल्य के, जिसे वापस मंगाया जा रहा है। पतंजलि फूड्स के लिए यह साल अच्छा नहीं जा रहा, खासकर इसके शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों का। पतंजलि फूड्स के शेयर इस साल अबतक 37 फीसदी से ज्यादा गिरे। यह 552 रुपए से अब 344 रुपए के आसपास आ गया। बाजार में कंपनी के आटे की खेप को मार्केट से वापस लेने की जानकारी के बाद पतंजलि फूड का शेयर सोमवार सुबह एक प्रतिशत से ऊपर चढ़कर 344.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। सोमवार को शुरुआती कारोबार में पतंजलि फूड्स के शेयर 341 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे। हालांकि पिछले कुछ हफ्तों में शेयर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

बीती 15 जुलाई को ही कंपनी के शेयर में जनवरी 2020 के बाद से एक ही दिन में सबसे बड़ी गिरावट आई थी।

किआ की भारतीय बाजार में हाइब्रिड क्रांति की तैयारी

हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ पेश करेगी माइलेज-फ्रेंडली कारें

मुंबई ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हाइब्रिड वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए दक्षिण कोरियाई कार निर्माता किआ भारत में अपने हाइब्रिड लाइनअप को आक्रामक रूप से विस्तार देने की तैयारी में है।

पेट्रोल-डीजल की ऊंची लागत और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सीमित चार्जिंग इंफास्ट्रक्चर के चलते, कंपनी आने वाले वर्षों में प्रीमियम एसयूवी से लेकर कॉम्पैक्ट और एमपीवी सेगमेंट तक कई स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड मॉडल पेश करने की रणनीति पर काम कर रही है। किआ अपनी वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय एसयूवी सोरेंटो हाइब्रिड के साथ भारतीय प्रीमियम सेगमेंट में प्रवेश करेगी, जिसमें 1.6-लीटर टर्बो-पेट्रोल स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन मिलने की उम्मीद है। यह कार बेहतर माइलेज और फीचर्स चाहने वाले ग्राहकों को आकर्षित करेगी।

इसके बाद कंपनी अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली सेल्टोस एसयूवी का हाइब्रिड संस्करण लाने पर विचार कर रही है। मारुति ग्रैंड विटारा और टोयोटा हाइराइडर जैसी हाइब्रिड गाड़ियों के बढ़ते दबदबे को देखते हुए,

इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल आधारित स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम दिया जा सकता है, जो शानदार पिकअप और माइलेज प्रदान करेगा। एमपीवी सेगमेंट में, किआ कैरेंस और उसके आगामी वेरिएंट्स में भी हाइब्रिड पावरट्रेन मिल सकता है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा और वाणिज्यिक उपयोग के लिए रनिंग कॉस्ट में कमी आएगी। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सोनट के अगली पीढ़ी के मॉडल में 1.2-लीटर पेट्रोल-बेस्ड स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सेटअप की योजना है, जो शहरी ट्रैफिक में ईंधन दक्षता को दोगुना कर देगा। ऑटो विशेषज्ञों का मानना है.

कि ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और रेंज एंग्जाइटी जैसी चुनौतियों के बीच, स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक ग्राहकों को शानदार माइलेज और कम उत्सर्जन का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है।

टेलीकॉम डेटा अब सिर्फ भारत में ही होगा स्टोर

दूरसंचार विभाग ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023 के तहत जारी किए नए नियम

मुंबई ।

केंद्र सरकार ने डिजिटल सुरक्षा मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023 के तहत नए नियम लागू किए हैं, जिनके अनुसार अब टेलीकॉम नेटवर्क से जुड़ा कोई भी डेटा भारत के बाहर स्टोर या ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और संवेदनशील जानकारी को देश के भीतर सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लिया गया है। नए नियमों के तहत, कॉल, मैसेज और नेटवर्क से जुड़ी सभी जानकारी अब देश के भीतर ही सुरक्षित रखनी होगी। मोबाइल टॉवर कंपनियों, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं और क्लाउड नेटवर्क सेवा देने वालों को डेटा भारतीय सर्वर पर ही स्टोर करना अनिवार्य होगा।

इससे संवेदनशील डेटा की सुरक्षा बेहतर होगी और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई आसान बनेगी। जरूरत पड़ने पर सरकार को किसी भी नेटवर्क की जांच और ऑडिट का अधिकार होगा, राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में बिना पूर्व सूचना कार्रवाई संभव होगी। इन नियमों का असर डेटा सेंटर उद्योग पर भी पड़ेगा, जिससे नए डेटा सेंटर और निवेश-रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

बैंक अगस्त में 14 दिन बंद रहेंगे, जा निए कब-कब रहेगा अवकाश

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन समेत कई त्योहारों और साप्ताहिक अवकाशों से कामकाज रहेगा प्रभावित

नई दिल लि ।

अगर आप अगस्त में बैंक जाकर ड्राफ्ट बनवाने या चेक क्लियरेंस जैसा कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो अपने प्लान पर फिर से विचार कर लें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक, अगले साल अगस्त में कुल 14 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा, जिससे ग्राहकों को असुविधा हो सकती है। ये अवकाश साप्ताहिक छुट्टियों (रविवार और दूसरे व चौथे शनिवार) के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन जैसे बड़े राष्ट्रीय पर्वों और विभिन्न क्षेत्रीय त्योहारों के चलते होंगे। इसका मतलब है कि लगभग आधा महीना बैंकों में कामकाज नहीं होगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई या एक्सिस बैंक सहित सभी प्रमुख बैंकों की शाखाएं इन दिनों बंद रहेंगी। हालांकि, अलग-अलग राज्यों के हिसाब से छुट्टियों की तारीखों में थोड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, अलग-अलग राज्यों के हिसाब से छुट्टियों की तारीखों में थोड़ा बदलाव हो सकता है। बैंक ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे असुविधा से बचने के लिए अपने बैंकिंग कार्य समय से पहले ही निपटा लें, ताकि किसी भी जरूरी काम में देरी न हो।

अगस्त 2026 में कब-कब बंद रहेंगे बैंक

- 2 अगस्त (रविवार)- साप्ताहिक छुट्टी की वजह से पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।
- 4 अगस्त- केर पूजा की वजह से केवल अगरतला में बैंक बंद रहेंगे।
- 8 अगस्त (शनिवार)- महीने के दूसरे शनिवार की वजह से देशभर में बैंक अवकाश।
- 9 अगस्त (रविवार)- पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 13 अगस्त- पैट्रियट्स डे की वजह से इंफाल में बैंक बंद.
- 15 अगस्त (शनिवार)- स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बैंकों की छुट्टी।
- 16 अगस्त (रविवार)- पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 19 अगस्त- महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर जयंती की वजह से अगरतला में बैंक बंद।
- 22 अगस्त (शनिवार)- महीने का चौथे शनिवार की साप्ताहिक छुट्टी।
- 23 अगस्त (रविवार)- पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 25 अगस्त- मिलाद-उन-नबी / पहला ओणम (कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे)।
- 26 अगस्त- ईद-ए-मिलाद / तिरुवोनम की वजह से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल, बेंगलुरु समेत कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे।
- 28 अगस्त- रक्षाबंधन / श्री नारायण गुरु जयंती की वजह से बैंक अवकाश।
- 30 अगस्त (रविवार)- पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।

एटीएम रहेंगे चालू, ऑनलाइन सर्विस भी नहीं होगी बंद- भले ही बैंकों के ताले लटके रहेंगे, लेकिन आपको घबराने की जरूरत नहीं है। डिजिटल बैंकिंग सेवाएं बिना रुकावट चलती रहेंगी। एटीएम कैश निकालने और जमा करने के लिए चालू रहेंगे। मोबाइल ऐप और इंटरनेट बैंकिंग से लेन-देन पहले की तरह आराम से कर सकेंगे। फंड ट्रांसफर के लिए आईएमपीएस और नीट जैसी सुविधा भी जारी रहेगी।

फ्लिपकार्ट की एंट्री से फूड डिलीवरी बाजार में हलचल, स्विगी-जोमैटो के शेयर धड़ाम

मुंबई, ।

भारत के ऑनलाइन फूड डिलीवरी बाजार में जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में एक बड़ा बदलाव आया है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट ने क्षेत्र में प्रवेश की घोषणा कर मौजूदा खिलाड़ियों स्विगी और जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल के निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इस घोषणा के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा की आशंका को दिखाता है।

फ्लिपकार्ट ने अगले कुछ हफ्तों में बेंगलुरु में पायलट प्रोजेक्ट के साथ अपनी ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवा शुरू करने की योजना बनाई है। इस कदम से निवेशकों में आशंका पैदा हो गई है कि अब तक इस क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने वाली कंपनियों को भविष्य में कीमतों और कमीशन को लेकर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। फ्लिपकार्ट जैसी बड़ी पूंजी और तकनीकी क्षमता वाली कंपनी के आगमन से बाजार में डिस्काउंट और कमीशन वॉर तेज होने की उम्मीद है।

फ्लिपकार्ट की घोषणा के बाद स्विगी के शेयरों में इंट्राडे कारोबार के दौरान करीब 7 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि, इस गिरावट की एक वजह निवेशकों की मुनाफावसूली भी रही। इसके अतिरिक्त, स्विगी द्वारा विदेशी शेयरधारिता की सीमा को 49.5 प्रतिशत तक सीमित करने के प्रस्ताव ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से कंपनी कुछ विदेशी सूचकांकों से बाहर हो सकती है, जिससे विदेशी निवेश में निकासी का जोखिम बढ़ सकता है।

जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल पर भी फ्लिपकार्ट की संभावित एंट्री का असर दिखा, और उसके शेयरों में कारोबार के दौरान तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज हुई। निवेशकों का मानना है कि पूंजी और तकनीकी क्षमता से लैस फ्लिपकार्ट के बाजार में उतरने से मौजूदा कंपनियों के लिए ग्राहकों को बनाए रखना और अपनी बाजार हिस्सेदारी को सुरक्षित रखना अधिक चुनौतीपूर्ण होगा।

एनटीपीसी को घरेलू बाजार से 12,000 करोड़ जुटाने बोर्ड की हरी झंडी

कंपनी नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर के जरिए करेगी फंडरेज़, शेयरधारकों की मंजूरी अनिवार्य

नई दिल्ली ।

सरकारी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी (एनटीपीसी) ने अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी के बोर्ड ने घरेलू बाजार से 12,000 करोड़ रुपये तक की राशि जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हालांकि, इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए पहले शेयरधारकों की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यह फंड विभिन्न विस्तार परियोजनाओं और पूंजीगत खर्चों के लिए उपयोग किया जा सकता है। एनटीपीसी यह राशि नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी करके जुटाएगी। कंपनी के पास सिक्योर्ड या अनसिक्योर्ड, टैक्सेबल या टैक्स-फ्री और क्यूमुलेटिव या नॉन-क्यूमुलेटिव एनसीडी जारी करने का विकल्प होगा, जो बाजार की परिस्थितियों और कंपनी की जरूरतों पर निर्भर करेगा। यह पूरा फंड घरेलू बाजार से प्राइवेट प्लेसमेंट के माध्यम से अधिकतम 12 अलग-अलग किश्तों (ट्रेंच) में जुटाया जाएगा, जिससे कंपनी अपनी जरूरत के हिसाब से पूंजी आकर्षित कर सकेगी। कंपनी के अनुसार, यह फंड जुटाने की योजना शेयरधारकों द्वारा विशेष प्रस्ताव के तहत मंजूर होने के बाद प्रभावी होगी। इसके बाद, कंपनी एक साल की अवधि तक या वित्त वर्ष 2027-28 की अगली सालाना आम बैठक तक, जो भी पहले हो, एनसीडी जारी कर सकेगी। प्रत्येक किश्त में जारी होने वाले एनसीडी की अवधि, ब्याज दर, सिक्योरिटी स्ट्रक्चर और लिस्टिंग जैसी शर्तें जारी करने के समय तय की जाएंगी।

आईफोन 18 प्रो सीरीज- सुधार पर जोर, कीमत बढ़ने की आशंका!

मुंबई ।

एप्पल की अगली पीढ़ी के आईफोन 18 प्रो सीरीज- को लेकर इंटरनेट पर अफवाहों का बाजार गर्म है। हालांकि कंपनी ने कोई पुष्टि नहीं की है, लीक रिपोर्ट्स में इसके संभावित डिज़ाइन, डिस्प्ले, प्रोसेसर और कैमरा से जुड़े अहम खुलासे हुए हैं।` रिपोर्ट के अनुसार आईफोन 18 प्रो का डिज़ाइन मौजूदा मॉडल जैसा ही रहेगा, लेकिन कुछ नए कलर ऑप्शन और छोटे डायनामिक आइलैंड देखने को मिल सकते हैं, जिसमें फेस आईडी सेंसर डिस्प्ले के नीचे होंगे। डिस्प्ले में नई तकनीक का इस्तेमाल होगा, जिससे बिजली की खपत कम होगी और बैटरी लाइफ बेहतर होगी। स्क्रीन का आकार पहले जैसा रहने की संभावना है। परफॉर्मेंस के लिए इसमें एप्पल का अगला ए20 प्रोसेसर मिलने की उम्मीद है, जो टीएसएमसी की 2 नैनोमीटर तकनीक पर आधारित होगा। यह चिपसेट मौजूदा मॉडल से तेज़ और ज़्यादा पावर एफिशिएंट होगा, जिससे एआई फीचर्स और मल्टीटास्किंग बेहतर होगी। कैमरे में वेरिएबल अपर्चर के साथ बेहतर मेन लेंस और सुधारित टेलीफोटो कैमरे की संभावना है, जिससे कम रोशनी में भी अच्छी तस्वीरें मिलेंगी। हालांकि, सबसे बड़ी चर्चा इसकी कीमत को लेकर है, जो मेमोरी और कच्चे माल की बढ़ती लागत के कारण पिछले मॉडल के मुकाबले बढ़ सकती है। यह सभी जानकारियां अभी लीक पर आधारित हैं, और एप्पल की आधिकारिक घोषणा के बाद ही पूरी तस्वीर साफ होगी।

जूनिपर ग्रीन एनर्जी आईपीओ का मूल्य दायरा तय

1800 करोड़ का निर्गम 214-225 रुपये प्रति शेयर के दायरे में

नई दिल्ली । नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने सोमवार को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा घोषित कर दिया। यह निर्गम 30 जुलाई को खुलकर 3 अगस्त को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 214-225 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है, जिससे 1,800 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। ऊपरी मूल्य दायरे पर इसका बाजार पूंजीकरण करीब 12,802 करोड़ रुपये आंका गया है। यह आईपीओ पूरी तरह नए इक्विटी शेयरों का है। निर्गम का 50 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों और 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है।

तमिलनाडु के सीएम विजय देंगे सिल्वर मेडल

जीतने वाले वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी को 30 लाख नकद इनाम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी के लिए 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है। मुथुपांडी ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था। मुथुपांडी को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इनाम उनके शानदार प्रदर्शन के सम्मान में दिया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेडल जीतने की यह उपलब्धि राज्य भर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। मुथुपांडी ने कुल 286 किग्रा (126 किग्रा + 160 किग्रा) का भार उठाया। मुथुपांडी ने 125 किग्रा स्नैच के सफल प्रयास से शुरुआत की और फिर अपने दूसरे प्रयास में इसे बढ़ाकर 126 किग्रा कर दिया। वे अपने आखिरी प्रयास में 129 किग्रा का भार नहीं उठा पाए। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने सफलतापूर्वक 158 किग्रा और 160 किग्रा का भार उठाया, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में 170 किग्रा उठाने में असफल रहे। इस प्रयास से उन्हें सिल्वर मेडल मिला। इस उपलब्धि को तमिलनाडु और भारत के लिए गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के जरिए युवा वेटलिफ्टर को बधाई दी। उन्होंने मुथुपांडी के प्रदर्शन को रिकॉर्ड बनाने वाली उपलब्धि बताया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके दृढ़ संकल्प की सराहना की। 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार एथलीट की सफलता को राज्य के सर्वोच्च खेल पुरस्कारों में से एक से सम्मानित करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुथुपांडी की उपलब्धि उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने और तमिलनाडु को और अधिक पहचान दिलाने के लिए प्रेरित करेगी। विजय ने कहा, मैं ग्लासगो में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर राजा मुथुपांडी को दिल से बधाई देता हूं। उनकी सफलता तमिलनाडु के लिए बहुत गर्व की बात है।

वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर

सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

हरारे (एजेंसी)।भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए। हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं।

सूर्यवंशी ने पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता: सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे।

सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय: सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था।

सूर्यवंशी की इंटरनेशनल में दूसरी फिफ्टी: सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई। उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50+ स्कोर बनाया था।

सूर्यवंशी इस साल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय: सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे।टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है।

दो बार के ओलंपियन साजन ने प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

ग्लास्गो (एजेंसी)। दो बार के ओलंपियन भारतीय तैराक साजन प्रकाश ने सोमवार को यहां एक मिनट 58.59 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर) में दूसरे स्थान पर रहते हुए राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई।

स्कॉटलैंड के डंकन स्कॉट एक मिनट 58.29 सेकेंड के साथ समय के साथ शीर्ष पर रहे। साजन अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहे। इस 31 वर्षीय भारतीय ने इसी साल सिंगापुर राष्ट्रीय आयु वर्ग तैराकी चैंपियनशिप में एक मिनट 57.09 सेकेंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप:

ईशा सिंह ने जीता गोल्ड, मनु भाकर को ब्रॉन्ज मेडल

हांगझू (चीन)(एजेंसी)। चीन के हांगझू में हो रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भारतीय पिस्टल स्टार ईशा सिंह और मनु भाकर ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीते और प्रतियोगिता में भारत का शानदार सफर जारी रखा। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की प्रेस रिलीज के अनुसार ईशा ने फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 40 हिट के साथ गोल्ड मेडल पक्का किया, जबकि पेरिस 2024 में दो ओलंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर ने कड़े मुकाबले का सामना करते हुए एक अहम शूट-ऑफ जीता और 28 हिट के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन राउंड में ही बेहतरीन शुरुआत की। मनु भाकर 586-203 के शानदार स्कोर के साथ क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में टॉप पर रहीं, जबकि ईशा सिंह 585-183 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और आसानी से फाइनल में जगह बनाई। एशियाई खेलों की पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट राही सरनोबत ने 582-163 का स्कोर किया, जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ (576-203) और अभिज्ञा अशोक पाटिल (573-163) ने रैंकिंग पॉइंट्स ओनली स्टेटस के तहत खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया।

इस सीजन की शुरुआत में म्यूनिख में वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड-तोड़ गोल्ड मेडल जीतने के बाद मानसिक दबाव से उबरने के बारे में बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, यह मैच मेरे लिए बहुत दबाव वाला था क्योंकि मेरे पास पहले से ही एक मेडल था। आप अपने इवेंट में जितना बेहतर करते हैं, आपको उतनी ही ज्यादा प्रतिष्ठा का बोझ महसूस होता है जिसे आपको पार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं आज इससे उबर पाई और शुक्रगुजार हूं कि मुझमें इसे सहने की क्षमता थी। मुझे हांगझू में मुकाबला करना बहुत पसंद है। एशियाई खेलों के दौरान हुए मुकाबले को याद करते हुए, जहां मैंने चार मेडल जीते थे, मैं यहां वापस आने के लिए बहुत उत्साहित थी। फाइनल हॉल में रेंज, लाइटिंग और माहौल से वाकिफ होना निश्चित रूप से मेरे पक्ष में रहा।

मैच के बाद अपने प्रदर्शन और आने वाले सीजन के लिए मोमेंटम बनाने के बारे में बात करते हुए मनु भाकर ने कहा, यह मेडल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक सीढ़ी की तरह काम करता है। इससे मुझे स्पष्टता मिलती है कि क्या काम कर रहा है और मैं किस दिशा में आगे बढ़ना चाहती हूं। मेडल निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ाता है, लेकिन इस प्रतिस्पर्धी मैच से मुझे जो अनुभव मिला है, वह वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियाई खेलों जैसे बड़े आयोजनों की तैयारी में और भी अधिक मददगार साबित होगा।

हैदराबाद की 21 वर्षीय ईशा सिंह के लिए गोल्ड मेडल करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ता है। इससे पहले इस सीजन में म्यूनिख में ढूस्स्त्र वर्ल्ड कप में ईशा ने फाइनल में 43 हिट के साथ सीनियर और जूनियर दोनों वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रचा था। पेरिस 2024 ओलंपियन और अर्जुन अवार्डी, ईशा दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं।

मनु भाकर के लिए ब्रॉन्ज मेडल ग्लोबल स्टेज पर उनके शानदार प्रदर्शन को और मजबूत करता है, खासकर उनके ऐतिहासिक पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान के बाद जहां वह खेलों के एक ही संस्करण में दो मेडल जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बनी थीं।

रन-अप में बदलाव का मिला फायदा, रवि बिश्नोई का जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में दमदार प्रदर्शन

हरारे (एजेंसी)। भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीती गई टी20 सीरीज के बाद अपनी शानदार वापसी का राज बताया। बिश्नोई ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर हुई गलतियों के बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में अपनी रन-अप पर कड़ी मेहनत की और अब उसका सकारात्मक परिणाम मैदान पर देखने को मिल रहा है। जिम्बाब्वे दौरे पर बिश्नोई ने तीन विकेट झटके और भारत की क्लीन स्वीप में अहम भूमिका निभाई।

इंग्लैंड दौरे की गलती से लिया सबक

रवि बिश्नोई के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद निराशाजनक रहा था। मैनचेस्टर टी20 में उन्होंने तीन बैक-फुट नो-बॉल फेंकी थीं और 60 रन खर्च किए थे। उस मुकाबले के बाद उनकी गेंदबाजी और खासकर रन-अप को लेकर सवाल उठे। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पूर्व स्पिनर सैराज बहुतुले और सुनील जोशी की निगरानी में अपनी तकनीक पर काम किया।

गलतियां सुधारीं, अब नतीजे सामने हैं

सीरीज खत्म होने के बाद रवि बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी की कमियों पर मेहनत की और कोचिंग स्टाफ से लगातार मदद मिली।रवि बिश्नोई ने कहा, मैंने उन चीजों पर काम किया जिनमें सुधार की जरूरत थी, क्योंकि मेरी गेंदबाजी में कुछ गलतियां आ गई थीं। अब उन पर काम करने का फायदा मिल रहा है और उसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कोचों ने मेरा काफी समर्थन किया और बताया कि मुझे किन पहलुओं पर काम करना है। मेरा रन-अप थोड़ा ज्यादा वाइड हो गया था, जो आमतौर पर नहीं होता, लेकिन दुर्भाग्य से इंग्लैंड वाले मैच में बार-बार ऐसा हुआ।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026

भारत को बड़ा झटका

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह का 100 मीटर हीट में सफर समाप्त

ग्लास्को (एजेंसी)। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की सबसे बड़ी एथलेटिक्स पदक उम्मीदों में शामिल गुरिंदरवीर सिंह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा के शुरुआती हीट से आगे नहीं बढ़ सके। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

गुरिंदरवीर ने मई 2026 में रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रचा था। वह 10.10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने थे। इस प्रदर्शन के बाद उनसे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें थीं, लेकिन अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके।

अब हाई जंप पर टिकी भारत की नजर

गुरिंदरवीर के बाहर होने के बाद अब भारतीय एथलेटिक्स दल की उम्मीदें पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा पर टिकी हैं। फाइनल में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे, पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर और आदर्श राम ज्योति शंकर भारत की चुनौती पेश करेंगे। सर्वेश कुशारे हाल ही में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में तीसरा स्थान हासिल कर शानदार फॉर्म का भी परिचय दिया था।

10.39 सेकंड का समय भी नहीं दिला सका सेमीफाइनल का टिकट

100 मीटर हीट में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.39 सेकंड का समय निकाला। हालांकि यह प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सभी 11 हीट समाप्त होने के बाद गुरिंदरवीर 73 धावकों में 28वें स्थान पर रहे। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष 17 धावकों को जगह मिली। रिपोर्ट के अनुसार यदि गुरिंदरवीर 10.24 सेकंड का समय निकालते तो वह अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पहुंचे थे ग्लास्गो

गुरिंदरवीर ने फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाते हुए अनिमेष कुजूर के एक दिन पहले बने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। इसी वजह से उन्हें ग्लास्गो में भारत के संभावित पदक विजेताओं में गिना जा रहा था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

सौम्य सरकार की 5 साल बाद वापसी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सौम्य सरकार को शामिल किया गया है। सौम्य आखिरी बार 2021 में टेस्ट फॉर्मेट में खेले थे। दूसरी तरफ, 2023 की डब्ल्यूटीसी चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर चुकी है।

पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम

नजमुल हुसैन शंतो (कप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, अमीत हसन, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), तैजुल इस्लाम, तास्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन चौधरी, मुश्फिक हसन।

प्रेसबायोपिया: अपनी उम्र को आंखों की रोशनी के कमजोर होने का कारण न बनने दें

प्रेसबायोपिया या लेंस के सामंजस्य की क्षमता का खत्म हो जाना उम्र के साथ होने वाला सामान्य परिवर्तन है, जोकि लोगों को 40 की उम्र के बाद प्रभावित करता है हालांकि, मोबाइल फोन और इसी तरह के गैजेट्स का प्रयोग करने से कई बार अब यह उम्र से पहले ही नजर आने लगा है। यह नजदीक में केंद्रित कर पाने को कठिन बना देता है, खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरुआती चरण में व्यक्ति फोन या किताब को कुछ दूर तक रख सकता है लेकिन कुछ स्थितियों में, यहां तक कि लंबे हाथों वाले व्यक्ति भी लंबे समय तक मेन्यू के छोटे अक्षरों को नहीं पड़ सकते। साथ ही, नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर उन लोगों को सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस हो सकती है। और इसके बाद यह वह स्थिति होती है जब लोगों को मदद की या फिर नेत्ररोग विशेषज्ञ से मिलने की आवश्यकता हो जाती है।

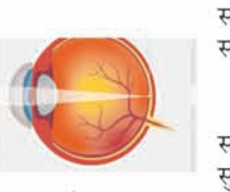

प्रेसबायोपिया का क्या होता है कारण?

जब हम बूढ़े हो जाते हैं, तो लगभग सारी चीजें कठोर या कड़ी होने लगती हैं और हमारी आंखें भी अपवाद नहीं हैं। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, आंखों के लेंस कड़े होने लगते हैं और वे अपना लचीलापन खोने लगता है। इसके परिणामस्वरूप नजदीक की चीजों पर केंद्रित या फोकस करने की क्षमता धीरे-धीरे बिगड़ती चली जाती है, जो प्रेसबायोपिया कहलाता है।

जांच

आपके नेत्ररोग विशेषज्ञ प्रेसबायोपिया की जांच आंखों के विस्तृत परीक्षण के रूप में कर सकते हैं। इसके साथ ही आंखों की अन्य समस्याओं के लिए वे आपके प्रेसबायोपिया की गंभीरता की जांच प्रमाणिक दृष्टि परीक्षण का प्रयोग करके करेंगे।

प्रेसबायोपिया का इलाज

प्रेसबायोपिया को ठीक करने के लिए कोई भी बेहतर तरीका नहीं है। इसमें सुधार का सबसे सही तरीका आपकी आंखों और आपकी जीवनशैली पर निर्भर करता है। आपको अपने नेत्ररोग विशेषज्ञ से अपनी जीवनशैली के बारे में जरूर चर्चा करनी चाहिए, ताकि यह निर्णय लिया जा सके कि कौन-सा सुधार आपके लिए सबसे अधिक उपयुक्त हो सकता है।

चश्मा

बायफोकल या प्रोग्रेसिव लेंस के साथ वाले चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे आम होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं: चश्मे के लेंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है, जबकि लेंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष की अत्यधिक परेशानी में निकट का काम करने के लिए होता है।

कॉन्टैक्ट लेंस

प्रेसबायोपिया के लिए मल्टीफोकल कॉन्टैक्ट लेंस या मोनोविजन चुना जा सकता है, जिसमें एक आंख में दूरदृष्टि में सुधार के लिए पहना जाता है और दूसरे को निकट दृष्टिदोष के लिए पहना जाता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि आपके आंखों की जांच नियमित रूप से होती रहे, खासकर 50 वर्ष की आयु के बाद।

सर्जरी

प्रेसबायोपिया का उपचार करने के लिए कंडक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज जैसे सर्जरी के विकल्प मौजूद हैं। लेजर का प्रयोग मोनोविजन तैयार करने के लिए किया जा सकता है, जिसमें एक आंख के निकट दृष्टि दोष को ठीक किया जाता है, जबकि दूसरी आंख दूरदृष्टि के लिए मजबूत बनाई जाती है। हाल में प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए आए इंट्राऑक्यूलर लेंस के साथ कुछ लोगों में जो मोतियाबिंद की सर्जरी करवाने जा रहे हैं, हो सकता है ताकि वे सभी प्रकार की दूरी में स्पष्ट देखने में सक्षम हो पाएं।

लक्षण

प्रेसबायोपिया धीरे-धीरे विकसित होता है। आप इसके संकेतों और लक्षणों को सबसे पहले 40 वर्ष की आयु के आस-पास देख सकते हैं। अक्षर स्पष्ट नजर आएं इसके लिए पाठ्य सामग्री दूर पकड़कर रखने की आदत।

- डॉ शारदिनी व्यास

लिपस्टिक खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

आपके पास अगर मेकअप करने का ज्यादा टाइम नहीं बचा है, तो आप काजल और लिपस्टिक लगाकर भी अपना लुक कम्पलीट कर सकती हैं। बस, लिपस्टिक लगाते वक्त आपको ख्याल रखना है कि आपके स्किन टोन और कपड़ों से मैच करती हुई लिपस्टिक ही लगाएं। लिपस्टिक खरीदते वक्त ये बातें आपको सही शॉपिंग में मदद करेंगी।

जानें चेहरे के हिसाब से कैसे चुनें शेड

रेड

रेड क्लासिक ब्राइडल कलर है। यह बोल्ड भी है और स्टाइलिश भी। अगर आपने हेवी आई मेकअप नहीं किया है तो आप बोल्ड रेज लिपस्टिक ट्राई कर सकती हैं।

न्यूड

न्यूड लिपस्टिक आपको क्लासिक लुक देगा। फेयर स्किन टोन पर यह काफी सूट करते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहती हैं कि आपका आई मेकअप और ड्रेस ज्यादा हाइलाइट हों तो आप न्यूड लिपस्टिक ही चुनें।

पिंक

मीडियम स्किन टोन पर पिंक लिपस्टिक जचती है। यह आपके लुक को एक रोमांटिक टच देता है। पिंक में भी कई तरह के शेड्स अवेलेबल हैं जिनमें से आप अपनी पसंद की लिपस्टिक चुन सकती हैं।

लिपस्टिक पैटर्न का भी रखें खास ख्याल

मैट आपको ड्रैमेटिक और बोल्ड अपियरेंस देता है। अगर आपको पाउट वाले फोटोज खिंचाना पसंद है तो आपको मैट लिपस्टिक ही यूज करें। अगर आपके ड्राई लिप्स हैं तो ग्लॉस का इस्तेमाल करें। अगर आप किसी तरह के फ्लॉ से बचना चाहती हैं तो भी ग्लॉस आपके लिए सही ऑप्शन है।

लिप साइज

सही लिपस्टिक चुनने में लिप का साइज भी अहम है। अगर आपके होंठ पतले हैं तो आपको डार्क कलर्स से बचना चाहिए। वहीं बड़े होठों पर डार्क कलर्स आपके मेकअप में चार चांद लगा देंगे।

आप लिपस्टिक के कई शेड और पैटर्न अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा से भी खरीद सकते हैं। यहां कई बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हैं।

चना साग

सामग्री

■ चने का साग- 250 ग्राम ■ पालक- 250 ग्राम ■ मेथी के पत्ते- 100 ग्राम ■ मूंग की दाल- 250 ग्राम (बिना छिलके वाली) ■ लहसुन- 5-6 कलियां ■ अदरक- आधा इंच टुकड़ा (कद्दूकस किया) ■ हरी मिर्च- 2 (कटी हुई) ■ हींग- चुटकीभर ■ मक्के का आटा- 2 टेबलस्पून ■ हरी धनिया- बारीक कटी हुई ■ बटर- 1 टीस्पून ■ साबूत लाल मिर्च- 2 ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- 2 टेबलस्पून

विधि

चने के पत्तों को अच्छे से धोने के बाद काट लें। एक बाउल में मक्के का आटा और पानी मिलाकर अच्छे से मिक्स कर पेस्ट बना लें। फिर एक बाउल में मूंग की दाल को पानी में भिगोकर आधा घंटा रख दें। आधे घंटे बाद पानी से छानकर अच्छे से सूखा लें। इसके बाद प्रेशर कुकर में चने का साग, पालक, मेथी के पत्ते, 2 कप पानी, अदरक, हरा धनिया, नमक और मक्के के आटे का पेस्ट डालकर तीन सीटी आने तक पका लें। अब इसे थोड़ा ठंडा होने दें। फिर मेशर की मदद से मैश कर लें। कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल जब गर्म हो जाए, तब इसमें जीरा, लहसुन और हरी मिर्च डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें हींग, लाल मिर्च, मूंग की दाल और मैश किया हुआ साग डालकर लगातार चलाते हुए दो मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर इसका पानी सुखने तक लगातार चलाते हुए पका लें। फिर इसमें ऊपर से हरा धनिया डालकर मिक्स कर लें और दो मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बटर डालकर गरमा गरम रोटी के साथ सर्व करें।

मटर कोफ्ते

सामग्री

■ 1 कप मटर के दाने ■ 2 उबले आलू ■ 1 टीस्पून अरारोट या बेसन ■ 1 टुकड़ा कसा हुआ अदरक ■ 1-2 हरी मिर्च ■ नमक स्वादानुसार। ■ 3 मध्यम आकार के टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक ■ 2 टीस्पून तेल या घी ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 2 टीस्पून मलाई ■ लाल मिर्च ■ 1/2 टीस्पून गर्म मसाला ■ बारीक कटा हरा धनिया।

विधि

मटर को उबाल कर दरदरा पीस लें। आलू मैश करें। कोफ्ते की सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ी सामग्री अलग करें और बाकी सामग्री से नींबू के आकार के गोले बनाकर तैयार कर लें। कोफ्तों को ब्राउन होने तक तलकर अलग रखें।

ग्रेवी के लिए: टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट बना लें। फ्राइंगपैन में तेल डालकर जीरा, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। अब मसाले का पेस्ट डालें और उसे तेल छोड़ने तक भूनें। मसाले में मलाई डालकर 2 मिनट भूनें। नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला डालें। ग्रेवी को जितना गाढ़ा करना चाहती हैं, उतना ही पानी डालें। उबाल आने के बाद 2 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी में कोफ्ते डालकर 2 मिनट ढककर रख दें। बारीक कटे हुए धनिये से गार्निश करें। चावल या रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा) — कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। नैतिक ... [illegible]

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3961

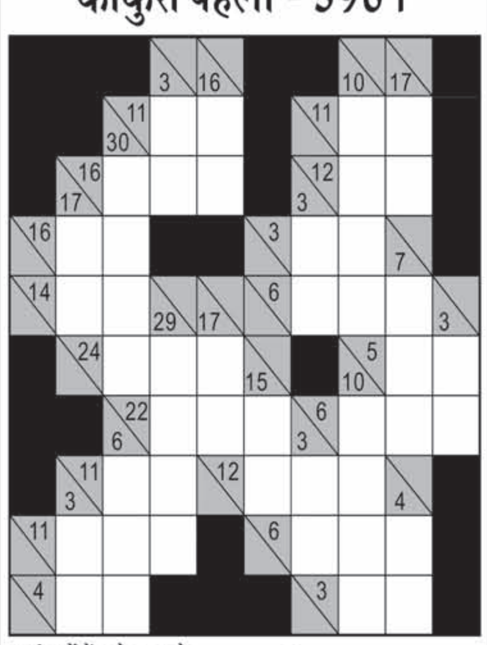

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 → 1 2 3 4 6; 23 → 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3960 का हल

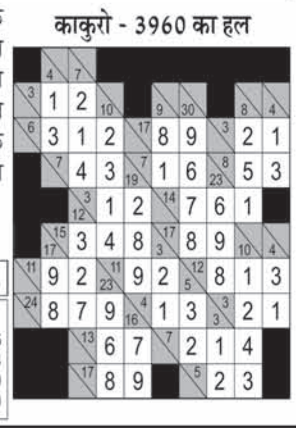

लॉफिंग ज़ोन

एक चोर अदालत में अपनी गवाही देने खुद ही खड़ा हो गया। वहाँ खड़ा होकर जब वह अनाप-शनाप बकने लगा तो न्यायाधिश ने झुँझलाकर कहा- तुमको तो ठीक से झूठ भी नहीं बोलना आता।

चोर- तो मैं क्या करूँ महोदय।

न्यायाधिश- तुम एक वकील को अप्वाइंट क्यों नहीं कर लेते। ताकि तुम आसानी से झूठ बोल सको।

□ □ □

ब्यूटी-क्लीनिक पहुँची एक महिला डॉक्टर से बोली- मेरे चेहरे को और सुंदर बनाने के लिए क्या फीस लगेगी?

डॉक्टर साहब (गंभीर होकर बोले)- पाँच हजार पाँच सौ रुपए।

निराश होकर महिला बोली- इससे सस्ता कोई उपाय नहीं है क्या? सुझाइए न!

डॉक्टर साहन ने सलाह दी- इससे सस्ता उपाय भी है...। आप बस घूँघट काढ़ना शुरू कर दीजिए।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम जानती हो, संगीत में इतनी शक्ति है कि उससे पानी भी गरम हो सकता है।

प्रेमिका- हाँ हाँ क्यों नहीं! तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3961

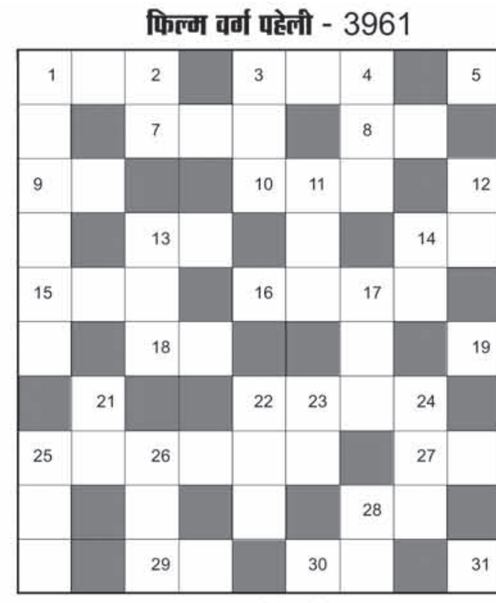

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3960

सूडोकु - 3961

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3960 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 3961

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -3960 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी